प्रिलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020 : टेस्ट 12

1. राजा राममोहन राय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   1. वे अंतर्जातीय तथा अंतर्नस्लीय विवाह के विरोधी थे।
   2. उन्होंने 'तर्क' तथा 'वेदों एवं उपनिषदों' के आधार पर एक नया धार्मिक समाज स्थापित किया।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनियेः

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का महान नेता माना जाता है। वे हिंदू संप्रदाय में व्याप्त बहुदेववाद, मूर्ति-पूजा एवं अंधविश्वास के विरुद्ध थे और अद्वैत दर्शन में गहन विश्वास करते थे। उन्होंने उपनिषदों में वर्णित एकेश्वरवाद की अवधारणा को स्वीकार किया था। उनके अनुसार ईश्वर निराकार, अदृश्य, सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान एवं सर्वद्रष्टा है।
- राजा राममोहन राय ने जाति-व्यवस्था का विरोध किया। उनके विचार में किसी व्यक्ति की महत्ता का आकलन उसकी योग्यता की उपेक्षा कर उसके जन्म के आधार पर करना अतार्किक था। वे अंतर्जातीय तथा अंतर्नस्लीय विवाह के समर्थक थे। उनका विचार था कि यह जातिगत विभाजन की बाधाओं को प्रभावी रूप से समाप्त कर सकेगा। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- वर्ष 1828 में उन्होंने एक नवीन धार्मिक सभा, 'ब्रह्म सभा' का गठन किया जिसे बाद में 'ब्रह्म समाज' के नाम से जाना गया। इसका उद्देश्य हिंदू संप्रदाय में सुधार लाना था एवं आस्तिकता अथवा एकेश्वरवाद की शिक्षा देना था। यह नया समाज दो स्तंभों, 'तर्क' एवं 'वेदों तथा उपनिषदों' पर आधारित था। इसने अन्य धर्मों की शिक्षाओं को भी स्वयं की शिक्षाओं में समाविष्ट किया। **अत: कथन 2 सही है।**

2. निम्नलिखित में से कौन भारत में उपनिवेशवाद के आर्थिक आलोचक थे?
   1. रोमेश चंद्र दत्त
   2. दादाभाई नौरोजी
   3. पृथ्वीश चंद्र राय

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनियेः

a. केवल 2
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की जड़े पूर्ण रूप से औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था के प्रभुत्व एवं शोषण की प्रकृति की समझ में गड़ी हुई थी। नरमपंथी के रूप में जाने जाने वाले इसके प्रारंभिक नेता उपनिवेशवादी अर्थव्यवस्था की आलोचना का मार्ग प्रशस्त करने वाले प्रथम नेता थे।
- **आर.सी. दत्त, दादा भाई नौरोजी, पृथ्वीश चंद्र राय आदि ने औपनिवेशिक आर्थिक नीति के हर पक्ष का विश्लेषण किया।**
  - नौरोजी ने अपनी पुस्तक 'पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' में धन निकासी के विषय पर ध्यान आकृष्ट किया है।
  - **रोमेश दत्त** ने 'द इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया' का प्रकाशन किया जिसमें उन्होंने **वर्ष 1757 से औपनिवेशिक शासन के समग्र आर्थिक रिकॉर्ड का अध्ययन प्रस्तुत किया।**
  - **वर्ष 1895 में पृथ्वीश चंद्र राय** द्वारा प्रकाशित 'द पावर्टी प्रॉब्लम इन इंडिया: बीइंग अ डीज़र्टेशन ऑन द कॉजेज़ एंड रीमेडीज़ ऑफ

इंडियन पावर्टी' एक किताब थी जिसमें **ब्रिटिश शासन के दौरान भारत के अत्यधिक निर्धन होने के विभिन्न पक्षों की व्याख्या की गई।**

- प्रारंभिक राष्ट्रवादियों ने औपनिवेशिक व्यवस्था के तीनों पक्षों- व्यापार, उद्योग एवं वित्त के माध्यम से भारत के शोषण का विवेचन किया। उन्होंने लगभग सभी महत्त्वपूर्ण आधिकारिक आर्थिक नीतियों के विरुद्ध शक्तिशाली बौद्धिक आंदोलन का आयोजन किया।

3. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

संस्था	नेता
1. अखिल भारतीय महिला संघ	रमाबाई रानाडे
2. लेडीज़ सोशल क्लब	मार्गरिट कज़िन्स
3. आर्य महिला समाज	पंडिता रमाबाई सरस्वती

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अखिल भारतीय महिला महासंघ की स्थापना मारग्रेट कजिन द्वारा वर्ष 1927 में की गई। इसका पहला सम्मेलन फर्ग्युसन महाविद्यालय, पुणे में आयोजित किया गया।
    - इसका मुख्य उद्देश्य एक ऐसे समाज के लिये कार्य करना था जो सामाजिक न्याय के सिद्धांत, सत्यनिष्ठा एवं समान अधिकार पर आधारित हो।
    - इस महासंघ ने विभिन्न वैधानिक सुधारों यथा शारदा अधिनियम, हिंदू विवाह एवं तलाक अधिनियम, दहेज़ प्रतिषेध अधिनियम आदि के लिये कार्य किया। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।**
- वर्ष 1904 में बम्बई में रमाबाई रानाडे ने राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन जैसे मूल संगठन के अंतर्गत लेडीज़ सोशल कॉंफ्रेंस/क्लब की स्थापना की। **अत: युग्म 2 सुमेलित नहीं है।**
- आर्य महिला समाज की स्थापना पंडिता रमाबाई सरस्वती ने महिलाओं की सेवा करने के लिये की थी। उन्होंने भारतीय महिलाओं के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में सुधार हेतु इंग्लिश एजुकेशन कमीशन के समक्ष विचार रखा जिसे रानी विक्टोरिया के पास विचारार्थ भेजा गया। इससे लेडी डफरिन महाविद्यालय में महिलाओं के लिये चिकित्सा शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।**

4. नेहरू रिपोर्ट के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसने पूर्ण स्वाधीनता की बजाय औपनिवेशिक स्वराज्य की मांग की।
2. इस रिपोर्ट ने पृथक निर्वाचन क्षेत्र के प्रावधान को खारिज कर दिया और संयुक्त निर्वाचन क्षेत्र का प्रस्ताव किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- मई 1928 में बम्बई में एक सर्वदलीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता डॉ.एम.ए. अंसारी ने की। इस दौरान मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में भारत के संविधान के विषय में विचार करने एवं उसका मसविदा तैयार करने हेतु एक समिति का गठन किया गया। इस समिति द्वारा जारी रिपोर्ट को नेहरु रिपोर्ट कहा गया।
- नेहरू रिपोर्ट पूर्णत: ब्रिटिश भारत तक ही सीमित थी, क्योंकि इसने देशी रियासतों के

साथ ब्रिटिश भारत के भावी संबंधोंं को संघीय आधार पर बनाए जाने की कल्पना की थी। इसके प्रस्ताव निम्न थे-

I. ऑस्ट्रेलिया, कनाडा में स्वशासन की तर्ज पर भारतीयों के लिये भी औपनिवेशिक स्वराज्य (डोमिनियन स्टेट्स) की मांग। **अत: कथन 1 सही है।**

II. पृथक् निर्वाचन की समाप्ति की मांग की गई जो इस समय तक संवैधानिक सुधार का आधार था। इसके स्थान पर मुस्लिमों के लिये केंद्र में तथा जिस क्षेत्र में मुस्लिम अल्पसंख्यक थे उन प्रांतों में स्थान आरक्षित कर सयुंक्त निर्वाचन की मांग की गई। **अत: कथन 2 सही है।**

III. भाषायी प्रांतों का गठन

IV. मूल अधिकार

V. धर्म से राज्य का पूर्ण पृथक्करण आदि।

5. भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के शुरुआती लक्ष्य और उद्देश्यों में से निम्नलिखित में से कौन-से शामिल थे?

1. राजनीतिक मुद्दों में आम लोगों की रुचि जागृत करना।
2. अंग्रेज़ों के खिलाफ जन आंदोलन का आयोजन करना।
3. उपनिवेशवाद-विरोधी विचारधारा को प्रोत्साहन एवं समर्थन देना।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की स्थापना वर्ष 1885 में की गई थी। भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने राजनीतिक रूप से जागरूक भारतीयों की सुधार के लिये काम करने हेतु एक राष्ट्रीय संगठन स्थापित करने की इच्छा का प्रतिनिधित्व करती थी।
- प्रारंभिक चरण में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्न थे-
  - लोकतांत्रिक राष्ट्रवादी आंदोलन का संचालन ।
  - भारतीयों को राजनीतिक लक्ष्यों से परिचित कराना तथा राजनीतिक शिक्षा देना।
  - आंदोलन के लिये मुख्यालय की स्थापना।
  - देश के विभिन्न भागों के राजनीतिक नेताओं तथा कार्यकर्त्ताओं के मध्य मैत्रीपूर्ण संबंधों की स्थापना को प्रोत्साहित करना।
  - उपनिवेशवादी विरोधी विचारधारा को प्रोत्साहन एवं समर्थन।
  - एक सामान्य आर्थिक एवं राजनीतिक कार्यक्रम हेतु देशवासियों को एकमत करना।
  - लोगों को जाति, धर्म एवं प्रांतीयता की भावना से ऊपर उठाकर उनमें एक राष्ट्रव्यापी भावना को जागृत करना।
  - भारतीय राष्ट्रवादी भावना को प्रोत्साहन एवं उसका प्रसार करना।
  - राजनीतिक मुद्दों में आमजन की रुचि जागृत करना।

  अत: कथन 1 और 3 सही हैं।
- प्रारंभिक राष्ट्रीय नेता अंग्रेज़ों के विरूद्ध बड़े जन आंदोलनों संगठित करने में असफल रहे। उनका लक्ष्य राष्ट्रीय भावना का संचार, इस भावना का एकीकरण कर बड़ी संख्या में लोगों को राष्ट्रवादी राजनीति की मुख्यधारा में लाना तथा राजनीतिक आंदोलन का प्रशिक्षण देना शामिल था। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

6. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये:

1. इल्बर्ट विधेयक
2. रॉयल्स टाइटल्स एक्ट
3. वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट/देशी प्रेस अधिनियम

उपर्युक्त घटनाओं का सही काल क्रम क्या है?

a. 2-3-1
b. 3-2-1

c. 1-2-3
d. 2-1-3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **रॉयल टाइटल्स एक्ट, 1876:** 1857 के विद्रोह के बाद भारत में ब्रिटिश सरकार का नियंत्रण ब्रिटिश क्राउन को हस्तांतरित किया गया और गवर्नर-जनरल के स्थान पर वायसराय के पद का सृजन किया गया।
- लॉर्ड लिटन के वायसराय कार्यकाल के दौरान ब्रिटिश संसद द्वारा रानी विक्टोरिया को 'भारत की महारानी' का खिताब देने हेतु रॉयल टाइटल्स एक्ट अर्थात् **शाही उपाधि अधिनियम, 1876** पारित किया गया।
    - वर्ष 1877 में दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया था जिसमें रानी विक्टोरिया को 'कैसर-ए-हिंद' की उपाधि प्रदान की गई।
- **वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट, 1878 -** इसे लॉर्ड लिटन द्वारा पेश किया गया था। इस अधिनियम द्वारा ज़िला दंडनायकों को यह अधिकार दिया गया कि वे सरकार की अनुमति के बिना ही देशी भाषाओँ के समाचार पत्रों के प्रकाशक तथा मुद्रक को बुलाकर बंधन-पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये कह सकते हैं।
- इस बंधन-पत्र का प्रावधान था कि प्रकाशक तथा मुद्रक ऐसी कोई भी सामग्री प्रकाशित नहीं करेंगे जिससे लोगों के बीच सरकार के विरुद्ध असंतोष भड़के।
- दंडनायकों को सुरक्षा जमा करने के लिये भी अधिकृत किया गया था, यदि प्रकाशक ने बंधन-पत्र का उल्लंघन किया तो उस राशि को ज़ब्त किया जा सकता था।
- यदि प्रकाशक/मुद्रक उल्लंघन को दोहराता है तो उसकी प्रेस ज़ब्त की जा सकती है।
- बाद में वर्ष 1882 में लॉर्ड रिपन द्वारा वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट को रद्द किया गया था।
- **वर्ष 1883 में लॉर्ड रिपन द्वारा इल्बर्ट विधेयक पेश** किया गया था जो भारतीय न्यायाधीशों को यूरोपीय लोगों के मामलों की सुनवाई करने में सक्षम बनाता था। इस विधेयक का यूरोपीयों लोगों द्वारा काफी विरोध किया गया था।

7. चंपारण सत्याग्रह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
    1. यह आंदोलन तिनकठिया प्रणाली को खत्म करने और किसानों को नील की खेती की बाध्यता से मुक्त करने में सफल रहा।
    2. सरकार ने पूरे मामले की जाँच करने के लिये एक समिति गठित की और गांधीजी को इसके सदस्य के रूप में नामित किया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- चंपारण सत्याग्रह बिहार के चंपारण ज़िले में किसानों के साथ हो रहे अन्याय के विरोध में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किया गया भारत का पहला सविनय अवज्ञा आंदोलन था। यूरोपीय बागान मालिक किसानों को कुल भूमि के 3/20वें हिस्से (जिसे तिनकठिया प्रणाली कहा जाता है) पर नील की खेती करने के लिये मजबूर कर रहे थे।
- राजकुमार शुक्ल ने गांधीजी को चंपारण आकर इस समस्या की जाँच के लिये राज़ी किया। गांधीजी, राजेंद्र प्रसाद, मजहर-उल-हक, महादेव देसाई, नरहरि पारेख और जे.बी. कृपलानी स्थिति से पूर्ण अवगत होने के लिये चंपारण पहुँचे और किसानों की व्यथा जानने के लिये गाँवों का दौरा किया।
- इस बीच सरकार ने इस मुद्दे की जाँच करने के लिये एक समिति नियुक्त की और गांधीजी को इसके सदस्यों में से एक के रूप में नामित किया।
- गांधीजी ने अधिकारियों को इस पर सहमत किया कि तिनकठिया प्रणाली को समाप्त कर दिया जाना चाहिये और किसानों को उनसे वसूली गई अवैध देनदारियों के लिये मुआवज़ा दिया जाना चाहिये। इस प्रकार तिनकठिया प्रणाली समाप्त कर किसानों को

नील की खेती के प्रतिबंध से मुक्त किया गया। **अत: कथन 1 और 2 सही हैं।**

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. सैयद अहमद खान ने भारत में वहाबी आंदोलन की विचारधारा को लोकप्रिय बनाया।
    2. वहाबी आंदोलन एक पुनरुत्थानवादी आंदोलन था, जिसने सभी गैर-इस्लामी प्रथाओं को खत्म कर इस्लाम के शुद्ध रूप को स्थापित करने का प्रयास किया।
    3. 1857 के विद्रोह में ब्रिटिश-विरोधी भावनाओं को फैलाने में वहाबियों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 2
d. केवल 1 और 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वहाबी आंदोलन एक इस्लामिक आंदोलन था, जिसका उद्देश्य दारुल-इस्लाम (इस्लाम की भूमि) की स्थापना करना था। इसे शाह अब्दुल अजीज़ तथा सैबयद अहमद बरेलवी द्वारा भारत में लोकप्रिय बनाया गया। **सैयद अहमद खान अलीगढ़ आंदोलन के प्रणेता थे। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- भारत को दारुल-हर्ब (काफिरों का भूमि) माना जाता था और इसे दारुल-इस्लाम (इस्लाम की भूमि) में परिवर्तित करने की अपेक्षा की जा रही थी।
- वहाबी आंदोलन एक पुनरुत्थानवादी आंदोलन था जिसने गैर-इस्लामिक गतिविधियों को मिटाकर इस्लाम के शुद्ध रूप को स्थापित करने का प्रयास किया। भारतीय मुसलमानों में व्याप्त पाश्चात्य प्रभाव एवं अध:पतन की प्रतिक्रयास्वरूप अरब के अब्दुल वहाब तथा शाह वलीउल्लाह की शिक्षाओं ने इस आंदोलन को प्रेरित किया और इस्लाम की मूल व्यवस्था में वापसी का आह्वान किया। **अत: कथन 2 सही है।**
- प्रारंभ में यह आंदोलन पंजाब के सिखों के विरुद्ध था, किंतु पंजाब पर अंग्रेज़ों का आधिपत्य (1849) स्थापित हो जाने के पश्चात्, यह आंदोलन अंग्रेज़ों के विरुद्ध हो गया। 1857 के विद्रोह के दौरान, वहाबियों ने अंग्रेज़ विरोधी भावना फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। **अत: कथन 3 सही है।**
- सैयद अहमद ने इस्लाम में किसी भी प्रकार की परिवर्तन तथा नवीनीकरण का घोर विरोध किया और शुद्ध इस्लाम की ओर लौटने की बात की।

9. 1920 के कॉन्ग्रेस नागपुर सत्र के परिणामों में से कौन-सा/से शामिल *नहीं* था/थे?
    1. दिन-प्रतिदिन के मामलों की देख-रेख हेतु 15 सदस्यीय एक कॉन्ग्रेस कार्यकारिणी समिति की स्थापना की गई।
    2. इसने कॉन्ग्रेस को अतिरिक्त संवैधानिक जन कार्रवाई के कार्यक्रम के लिये प्रतिबद्ध किया।
    3. इस सत्र के दौरान सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने कॉन्ग्रेस से क्रमश: अध्यक्ष और सचिव पद से इस्तीफा दे दिया।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 3
d. केवल 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- दिसंबर 1920 नागपुर सत्र में सी.आर. दास ने असहयोग का मुख्य प्रस्ताव पारित किया। गांधीजी ने घोषणा की कि यदि असहयोग आंदोलन पूर्ण रूप से कार्यान्वित हुआ तो एक वर्ष के भीतर स्वराज की प्राप्ति हो जाएगी।
- नागपुर सत्र में कुछ संगठनात्मक परिवर्तन किये गए, जैसे-
    - भविष्य में कॉन्ग्रेस नेतृत्व के लिये 15 सदस्यीय कॉन्ग्रेस कार्यकारिणी समिति की स्थापना की गई।
    - भाषाई आधार पर प्रांतीय कॉन्ग्रेस समिति का गठन किया गया।

- वार्ड समिति का गठन किया गया।
- प्रवेश शुल्क को कम करके चार आना कर दिया गया। **अत: कथन 1 सही है।**

- कॉन्ग्रेस के दृष्टिकोण में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया, जहाँ संवैधानिक तरीकों के माध्यम से स्वशासन के अपने लक्ष्य की बजाय, कॉन्ग्रेस ने शांतिपूर्ण और वैध साधनों के माध्यम से स्वराज प्राप्ति का निर्णय किया, और इस प्रकार स्वयं को एक संविधानेतर (extra-constitutional) व्यापक संघर्ष के लिये प्रतिबद्ध किया। **अत: कथन 2 सही है।**
- इस स्तर पर अली जिन्ना, एनी बेसेंट, जी.एस. खापर्डे और बी.सी. पाल जैसे कुछ नेताओं ने कॉन्ग्रेस छोड़ दिया क्योंकि वे एक संवैधानिक और वैध संघर्ष में विश्वास करते थे।
- गया सत्र (1922) में विधानपरिषद में शामिल होने को लेकर मतभेद होने पर सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने क्रमश: कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष पद और सचिव पद से इस्तीफा दे दिया और कॉन्ग्रेस-खिलाफत स्वराज्य पार्टी की स्थापना की घोषणा की। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

10. असहयोग आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. कॉन्ग्रेस कार्यकारिणी समिति द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुसार मुस्लिमों के लिये ब्रिटिश सेना में बने रहना धार्मिक रूप से गैर-कानूनी था।
    2. कॉन्ग्रेस ने सामूहिक नागरिक अवज्ञा आंदोलन चलाने हेतु प्रांतीय कॉन्ग्रेस समिति को अनुमति दी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- वर्ष 1920 में असहयोग आंदोलन गांधीजी द्वारा आयोजित पहला जन आंदोलन था। असहयोग आंदोलन के दौरान लॉर्ड चेम्सफोर्ड ब्रिटिश भारत का वायसराय था। 1920 में नागपुर में हुए कॉन्ग्रेस वार्षिक सत्र के दौरान सी.आर. दास ने असहयोग आंदोलन पर मुख्य प्रस्ताव पारित किया। असहयोग के कार्यक्रम में शामिल थे-
    - सरकारी स्कूलों तथा कॉलेजों का बहिष्कार।
    - विधायी परिषदों और कानून अदालतों का बहिष्कार।
    - विदेशी का बहिष्कार और इसके बजाय खादी का उपयोग, कपड़ों।
    - सरकारी सम्मानों और उपाधियों इत्यादि का त्याग।
- 1921 में अखिल भारतीय खिलाफत सम्मेलन में मोहम्मद अली ने घोषणा की कि 'मुस्लिमों के लिये ब्रिटिश सेना में सेवा जारी रखना धार्मिक रूप से गैर-कानूनी है। इस कथन के परिणामस्वरूप, मोहम्मद अली को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। अगले दिन कॉन्ग्रेस कार्यकारिणी समिति ने बैठकें आयोजित ऐसे ही प्रस्ताव को पूरे देश में पारित किया। **अत: कथन 1 सही है।**
- कॉन्ग्रेस ने प्रांतीय कॉन्ग्रेस समितियों को सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाने की दी। उन सभी जगहों, जहाँ लोग तैयार थे, पर इस आंदोलन को व्यापक स्तर पर आयोजित करने हेतु यह मंज़ूरी दी गई थी। **अत: कथन 2 सही है।**

11. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. भगवान बुद्ध ने अपने उपदेश पालि भाषा में दिये।
    2. बौद्ध साहित्य पालि और संस्कृत दोनों भाषाओं में उपलब्ध है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- वैदिक काल के बाद भारतीयों द्वारा बोले जाने वाली भाषाएँ पालि और प्राकृत थीं। व्यापक अर्थ में प्राकृत ऐसी किसी भी भाषा का संकेतक थी जो किसी भी तरह की मानक भाषा, जैसे- संस्कृत से भिन्न हो।
- पालि, प्राकृत का पूर्व-संस्करण है। वास्तव में, पालि बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं का संयोजन है। इन भाषाओं को प्राचीन भारत में बौद्ध और जैन संप्रदायों द्वारा उनकी पवित्र भाषाओं के रूप में अपनाया गया था। भगवान बुद्ध (500 ई.पू.) ने अपने उपदेश पालि भाषा में ही दिये थे। **अत: कथन 1 सही है।**
- बौद्ध धर्म का समूचा साहित्य पालि भाषा में लिखा गया है, जिनमें 'त्रिपिटक' भी शामिल है। **बौद्ध साहित्य संस्कृत भाषा में भी प्रचुर** मात्रा में उपलब्ध है, जिसमें अश्वघोष (78 ईसा पूर्व) रचित महाकाव्य 'बुद्धचरित' भी शामिल है। **अत: कथन 2 सही है।**

12. सारनाथ के सिंहचतुर्मुख स्तंभशीर्ष के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह बुद्ध द्वारा धम्मचक्र प्रवर्तन की स्मृति में बनाया गया।
    2. सिंहचतुर्मुख स्तंभ की संपूर्ण छवि को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही *नहीं* है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिये गए प्रथम उपदेश 'धम्मचक्र प्रवर्तन' की स्मृति में अशोक ने सिंह चतुर्भुज स्तंभ बनवाया था। **अत: कथन 1 सही है।**

स्तंभ में मूल रूप से पाँच भाग हैं:

1. यष्टि (शाफ़्ट)
2. कमल घंटीनुमा आधार (A lotus bell base)
3. घंटीनुमा आधार पर एक ढोल (Drum), जिस पर दक्षिणावर्त दिशा में बढ़ती हुई चार पशु आकृतियाँ हैं।
4. चार सिंह आकृतियाँ,
5. सबसे ऊपर एक विशाल पहियानुमा धम्मचक्र

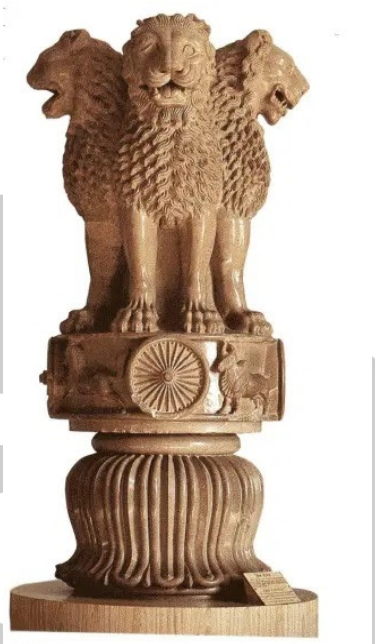

- सिंहचतुर्भुज अशोक स्तंभ के संपूर्ण घटकों को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में नहीं अपनाया गया है। इस सिंह शीर्ष को पहियानुमा शीर्ष भाग और कमल आधार के बिना राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

13. भारतीय दर्शन के संप्रदायों (पद्धतियों) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. न्याय संप्रदाय में यह माना जाता है कि स्पष्ट चिंतन एवं तर्क परमानंद की प्राप्ति हेतु अनिवार्य है।
    2. 'अद्वैतवाद का सिद्धांत' देने वाले शंकराचार्य वेदांत संप्रदाय के प्रतिपादक थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

भारतीय षड्दर्शन में निम्नलिखित छ: संप्रदाय शामिल हैं:

न्याय

- इसमें विश्लेषण और तर्क को मोक्ष के साधन के रूप में स्वीकार किया गया है।
- यह माना गया है कि स्पष्ट चिंतन और तर्क परमानंद प्राप्ति के लिये आवश्यक साधन हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसने तार्किकता को धार्मिक आधार प्रदान किया।

वैशेषिक

- इसका संबंध भौतिक जगत से है।
- इस सिद्धांत के महान प्रवर्तक उलूक कणाद ने परमाणुओं का सिद्धांत दिया।
- इसके अनुसार परमाणु आत्मा से अलग है।
- हर व्यक्ति के अपने गुण (विशेष) होते हैं, जो उसे चार गैर परमाणु पदार्थों (द्रव्यों)- समय, स्थान, आत्मा और मन से अलग करते हैं।
- यह पदार्थ और आत्मा के द्वैतवाद की अवधारणा को मानता है।

सांख्य

- इसके प्रणेता कपिल थे, लेकिन इस संप्रदाय का प्राचीनतम ग्रंथ 'सांख्यकारिका' ईश्वरकृष्ण से संबंधित है।
- अपने कठोर द्वैतवाद और मूल नास्तिकता में इसकी जैन धर्म से समानता दिखती है।
- इस दर्शन में पच्चीस तत्त्वों को स्वीकार किया गया है और गुणों यानी सत्त्व, रजस और तमस के सिद्धांत को प्रस्तुत किया गया है।

योग

- यह 'आध्यात्मिक अनुशासन' से संबंधित है।
- यह मोक्ष के मुख्य साधन के रूप में मानसिक प्रशिक्षण पर ज़ोर देता है।
- इस संप्रदाय का मूल ग्रंथ पतंजलि कृत 'योगसूत्र' है।
- प्रशिक्षण की प्रक्रिया आठ चरणों में बाँटी गई है- आत्म नियंत्रण (यम), पालन (नियम), मुद्रा (आसन), श्वास का नियंत्रण (प्राणायाम), संयम (प्रत्याहार), मन को स्थिर करना (धारणा), ध्यान लगाना (ध्यान), और गहन ध्यान (समाधि)।

मीमांसा

- यह अन्वेषण और जिज्ञासा पर आधारित संप्रदाय है और इसलिये यह मोक्षप्राप्ति से कहीं अधिक ज्ञान की व्याख्या का संप्रदाय है।
- इसका मूल उद्देश्य वेदों की व्याख्या करना था।
- जैमिनी कृत 'सूत्र' इस सिद्धांत का प्राचीनतम ग्रंथ है, जो दर्शाता है कि वेद शाश्वत, अपौरुषेय और ज्ञान के एकमात्र स्रोत है।
- शबरस्वामी मीमांसा दर्शन के सबसे बड़े विद्वान थे, जिन्होंने इस सिद्धांत की वृहत व्याख्या की।

वेदांत

- इसे उत्तर मीमांसा भी कहा जाता है, जिसके अंतर्गत आधुनिक बौद्धिक हिंदू धर्म की विशेषताएँ अस्तित्व में आती हैं।
- इसका मूल ग्रंथ बादरायण कृत 'ब्रह्मसूत्र' है।
- वेदांत दर्शन उपनिषदों पर आधारित है।
- इसके सबसे बड़े प्रणेता शंकराचार्य थे, जिन्होंने अद्वैतवाद (किसी दूसरे को न स्वीकार करना, एकेश्वरवाद)। **अत: कथन 2 सही है।**

14. दक्षिण भारत की भक्ति परंपरा के अनुसार 'अलवार' थे:

a. शिव के भक्त
b. विष्णु के भक्त
c. मंदिर के नर्तक
d. साहूकार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- छठी शताब्दी ईसा पूर्व तमिलनाडु में शुरू हुए भक्ति आंदोलन के शुरुआती भक्तों को 'अलवार' एवं 'नयनार' कहा जाता था।
- **अलवार विष्णु भक्त थे,** वहीं नयनार शिव भक्त।
- वे अपने देवताओं की प्रशंसा में तमिल भाषा में रचित भजन गायन करते हुए एक जगह से दूसरी जगह यात्रा करते थे।

- यात्रा के दौरान, अलवार और नयनारों ने अपने चुनिंदा देवताओं के निवास स्थान के रूप में कुछ मंदिरों की पहचान की और बाद में इन पवित्र स्थानों पर बड़े मंदिर बनाए गए।
- वे ब्राह्मणों से लेकर श्रमिकों तथा किसानों, यहाँ तक कि अछूत जातियों जैसी विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों से आते थे।
- उन्होंने जाति व्यवस्था एवं ब्राह्मणों के प्रभुत्व के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन की शुरुआत की।

अत: विकल्प (b) सही है।

15. हर्षवर्धन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. बाणभट्ट द्वारा उनकी जीवनी 'हर्षचरित' लिखी गई थी।
    2. हर्षवर्धन ने हीनयान के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करने का प्रयास किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- हर्षवर्धन ने उत्तर भारत पर 606 से 647 ई. तक शासन किया। उसने कन्नौज को अपनी सत्ता का केंद्र बनाया थी तथा सभी दिशाओं में अपना शासन बढ़ाया।
- चीनी यात्री ह्वेन सांग तथा हर्षवर्धन की सभा के कवि बाणभट्ट ने हर्ष के शासनकाल का विस्तृत विवरण दिया है। ह्वेन सांग के अनुसार, राजा हर्षवर्धन की एक कुशल सरकार थी। बाणभट्ट ने हर्ष की प्रसिद्ध जीवनी, 'हर्षचरित' के साथ-साथ साहित्यिक कृति कादम्बरी की भी रचना की। **अत: कथन 1 सही है।**
- हर्ष ने अपने साम्राज्य को गुप्त काल के समान ही नियंत्रित किया, लेकिन उनका प्रशासन सामंती तथा विकेंद्रीकृत हो गया था। राज्य द्वारा प्रदान की जाने वाली विशेष सेवाओं के लिये पुजारी को भूमि अनुदान देना जारी रखा गया।
- चीनी यात्री ह्वेन सांग के अनुसार, हर्ष के राजस्व को चार भागों में बाँटा गया था। राजा के व्यय के लिये एक हिस्सा निर्धारित किया गया था, वहीं दूसरा विद्वानों के लिये अधिकारियों एवं सरकारी कर्मचारियों के उत्थान के लिये तीसरा तथा चौथा हिस्सा धार्मिक उद्देश्य के लिये था।
- हर्ष ने एक सहिष्णु धार्मिक नीति का पालन किया।
- अपने शुरुआती वर्षों में हर्ष शिव-भक्त था किंतु वह धीरे-धीरे बौद्ध धर्म का महान संरक्षक बन गया। एक बौद्ध भिक्षु के रूप में, उन्होंने महायान के सिद्धांतों को व्यापक रूप से प्रचारित करने के लिये कन्नौज में एक भव्य सभा बुलाई, **न कि हीनयान के प्रचार हेतु। अत: कथन 2 सही नहीं है।**

16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. आर्यभट्ट ने सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण की घटनाओं की व्याख्या की।
    2. 'मेघदूतम्' कालिदास रचित एक पद्यात्मक रचना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- गुप्त काल में गणित, खगोल विज्ञान, ज्योतिष और चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय गतिविधियाँ हुईं।
- आर्यभट्ट इस युग के महान गणितज्ञ और खगोलविद् थे जिन्होंने 499 ई. में गणित और खगोल विज्ञान पर आधारित 'आर्यभट्टीय' लिखा। इन्होंने सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण की घटनाओं की वैज्ञानिक रूप से व्याख्या की।

अत: कथन 1 सही है।

- चंद्रगुप्त-द्वितीय का दरबार नवरत्नों से सुशोभित था जिनमें कालिदास सबसे प्रमुख थे। उन्होंने 'अभिज्ञानशावुंतलम्', 'मालविकाग्निमित्रम्' और विक्रमोर्वशीयम् जैसे कुछ नाटक लिखे। उनके दो प्रसिद्ध

महाकाव्य **'रघुवंशम्'** और **'कुमारसंभवम्'** हैं।

- **'ऋतुसंहारम्' और 'मेघदूतम्' कालिदास रचित एक पद्यात्मक गीतिकाव्य हैं। अत: कथन 2 सही है।**
- इन प्रमुख कवियों में से एक कवि भारवि थे, जो शब्दार्थों के विशेष प्रयोग के लिये जाने जाते थे। उनके 'किरातार्जुनीयम्' में शिव और अर्जुन के बीच युद्ध की कहानी है।

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. विमान, अर्धमंडप, महामंडप और नंदीमंडप राजाराज प्रथम द्वारा बनवाए गए तंजौर के वृहदेश्वर मंदिर की प्रमुख विशेषताएँ हैं।
    2. वास्तुकला की वेसारा शैली चोल राजाओं द्वारा विकसित की गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- चोल राजाओं ने कला और वास्तुकला की द्रविड़ शैली अपनाई। चोल मंदिर की मुख्य विशेषता 'विमान' थी।
    - राजाराज प्रथम द्वारा बनवाया गया तंजौर का विशाल वृहदेश्वर मंदिर दक्षिण भारतीय कला का उत्कृष्ट उदाहरण है।
    - इसमें विमान, अर्द्धमंडप, महामंडप और सामने की तरफ एक विशाल नंदीमंडप निर्मित हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- कला के महान संरक्षक चालुक्य वंश के शासकों ने वास्तुकला की वेसर शैली विकसित की थी। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- वास्तुकला की यह शैली होयसल राजवंश के काल में अपने चरम शिखर तक पहुँच गई। चालुक्य राजवंश के संरचनात्मक मंदिर एहोल, बादामी और पट्टदकल में मौजूद हैं।

18. 'मर्दानी खेल' के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र की एक मार्शल आर्ट है।
    2. केवल महिलाओं द्वारा इसका प्रदर्शन किया जाता है।
    3. यह एक शस्त्र आधारित मार्शल आर्ट है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. 1, 2 और 3
b. केवल 1 और 3
c. केवल 3
d. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- मर्दानी खेल 'महाराष्ट्र के कोल्हापुर क्षेत्र में प्रचलित एक मार्शल आर्ट है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- इस मार्शल आर्ट फॉर्म में तलवार, कटयार (खंजर) और लाठी-काठी (बांस की छड़ें), वीटा (डार्ट्स) आदि हथियारों का उपयोग किया जाता है। इसलिये यह एक हथियार आधारित मार्शल आर्ट फॉर्म है। **अत: कथन 3 सही है।**
- मर्दानी खेल में हथियार और रणनीति के तत्त्व मराठों के शासन के दौरान फले-फूले।
- इस कला रूप का अभ्यास महिलाओं के अतिरिक्त पुरुषों और बच्चों द्वारा भी किया जाता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

19. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये;

	उत्सव	**राज्य**
1.	होरी हब्बा	कर्नाटक
2.	गौरा गौरी	उत्तराखंड
3.	सुरती	छत्तीसगढ़

उपरोक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **'होरी हब्बा' कर्नाटक में बैल पकड़ने का एक लोकप्रिय खेल है**। यह फसल के कटाई के दौरान आयोजित किया जाता है। यह हावेरी ज़िले का मूल एक प्राचीन लोक खेल है और तमिलनाडु में जल्लीकट्टू और दक्षिण कन्नड़ ज़िले के कंबाला की तर्ज पर खेला जाता है। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- गौरा- गौरी त्योहार छत्तीसगढ़ के लोगों के चरागाह जीवन को दर्शाने के लिये मनाए जाने वाला उत्सव है। इस सभा में पारंपरिक वेश-भूषा में 'गेडी', 'राउत नाच' और 'पंथी नृत्य' की रस्में देखी जाती हैं।
- गेडी गोंड जनजातीय समूह के नृत्य का एक रूप है, यह समूह पूरे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में व्यापक रूप से फैला हुआ है और भारत के प्रमुख आदिवासी समूहों में से एक है। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- सुरती, हरेली, पोला और तीजा छत्तीसगढ़ राज्य के कुछ अन्य त्योहार हैं। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित है।**

20. गंगा नदी हेतु निर्धारित पारिस्थितिक-प्रवाह मानदंडों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इन्हें जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 द्वारा अधिसूचित किया गया था।
    2. ये सुनिश्चित करते हैं कि नदी के बहाव में परिवर्तन के बाद भी नदी में न्यूनतम आवश्यक पर्यावरणीय प्रवाह बना रहे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या

- एक नदी के लिये पारिस्थितिक-प्रवाह (ई-प्रवाह) जल की मात्रा और समय को दर्शाता है जो नदी के लिये उसके पारिस्थितिक कार्यों को निष्पादित करने के लिये आवश्यक होती है तथा सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी महत्त्वपूर्ण है।
- हाल ही में केंद्र सरकार ने अधिसूचित किया है कि पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत गंगा नदी हेतु निर्धारित न्यूनतम पर्यावरणीय प्रवाह को नदी के विभिन्न स्थानों पर बनाए रखा जाना है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- पारिस्थितिक-प्रवाह मानदंड यह सुनिश्चित करते हैं कि सिंचाई, जल विद्युत, घरेलू और औद्योगिक प्रयोग आदि जैसे उद्देश्यों के लिये परियोजनाओं एवं संरचनाओं द्वारा नदी के मार्ग में परिवर्तन होने पर भी नदी में जल का न्यूनतम आवश्यक पर्यावरणीय प्रवाह बना रहे। **अतः कथन 2 सही है।**

21. प्राचीन भारत में 'चिकित्सा विज्ञान' (Medicine Science) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. औषधियों का प्राचीनतम उल्लेख अथर्ववेद में मिलता है।
    2. रोगों के उपचार के लिये सुश्रुत ने आहार और स्वच्छता पर विशेष बल दिया।
    3. 'चरकसंहिता' वनस्पतियों और रसायन शास्त्र के अध्ययन के लिये उपयोगी है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- प्राचीन भारतीय चिकित्सकों ने शरीर रचना विज्ञान का अध्ययन किया। उन्होंने रोगों के परीक्षण की विधियाँ विकसित की और उनके उपचार के लिये औषधियाँ सुझाईं। औषधि का प्रथम उल्लेख **अथर्ववेद** में मिलता है, लेकिन अन्य प्राचीन समाजों की ही तरह उपचार हेतु उल्लिखित ये उपाय जादू-टोने से भरे हुए थे और औषधि का

विकास वैज्ञानिक दृष्टिकोण की तर्ज पर नहीं हुआ था। **अत: कथन 1 सही है।**

- दूसरी शताब्दी ईसवी में भारत में आयुर्वेद के दो विद्वानों का आविर्भाव हुआ। वे थे सुश्रुत और चरक। 'सुश्रुत संहिता' में सुश्रुत ने मोतियाबिंद, पथरी और कई अन्य रोगों की शल्य चिकित्सा के तरीके बताए हैं। उन्होंने शल्य चिकित्सा के लिये उपयोग में आने वाले 121 उपकरणों का भी उल्लेख किया है। रोगों के उपचार में उन्होंने आहार और स्वच्छता पर विशेष बल दिया है। **अत: कथन 2 सही है।**
- चरक रचित 'चरक संहिता' भारतीय औषधि के विश्वकोश के रूप में जाना जाता है। यह विभिन्न तरह के बुखार, कुष्ठ रोग, हिस्टीरिया (मिर्गी) और तपेदिक का वर्णन करता है। संभवत: चरक नहीं जानते थे कि इनमें से कुछ संक्रामक हैं। उनकी पुस्तक में बड़ी संख्या में पौधों और जड़ी-बूटियों के नाम शामिल हैं जिनका उपयोग दवाओं के रूप में किया जा सकता है। यह पुस्तक न केवल भारतीय चिकित्सा के अध्ययन के लिये उपयोगी है बल्कि प्राचीन भारतीय वनस्पतियों और रसायन शास्त्र के लिये भी उपयोगी है। **अत: कथन 3 सही है।**

22. मौर्य साम्राज्य के प्रशासन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. सन्निधाता राजस्व निर्धारण और संग्रहण हेतु उत्तरदायी शीर्ष अधिकारी था।
    2. अशोक ने विभिन्न सामाजिक समूहों तक धर्म का प्रसार करने के लिये धम्ममहापात्र नियुक्त किये।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- मौर्य साम्राज्य का महान शासनकाल अपने विशाल साम्राज्य के प्रबंधन हेतु नियुक्त किये गए अधिकारियों पर निर्भर था।
- राजा के प्रतिनिधि के रूप में जनता की देखभाल करना अधिकारियों की ज़िम्मेदारी थी। **अशोक ने धर्म का प्रसार करने के लिये 'धम्ममहामात्र' नियुक्त किये जिनमें महिलाएँ भी शामिल थीं।** उसने अपने राज्य में **न्यायिक व्यवस्था के लिये 'राजुक' भी नियुक्त किये,** जिनके पास लोगों को न केवल पुरस्कृत करने के अधिकार थे, बल्कि उन्हें आवश्यकता पड़ने पर दंड देने के अधिकार भी थे। **अत: कथन 2 सही है।**
- प्रशासनिक व्यवस्था को मज़बूत बनाने के लिये एक विस्तृत गुप्तचर प्रणाली विकसित की गई थी। विभिन्न गुप्तचर विदेशी शत्रुओं के बारे में खुफिया जानकारी एकत्र करते थे और कई अधिकारियों पर नज़र रखते थे।
- अधिकांश अधिकारियों को नकद पारिश्रमिक दिया जाता था, जिनमें शीर्षस्थ मंत्री, पुरोहित, सेना-प्रमुख (सेनापति) और युवराज को उदारतापूर्वक भुगतान किया जाता था।
- मौर्यकालीन कर-व्यवस्था प्राचीन भारत की एक ऐतिहासिक व्यवस्था थी। मौर्यों ने संग्रह और संचित करने की अपेक्षा कर निर्धारण को अधिक महत्त्व दिया। **समाहर्ता** राजस्व **मूल्यांकन और संग्रहण का सर्वोच्च अधिकारी** था और **सन्निधाता राज्यकोष और भंडारगृह का प्रमुख संरक्षक था। अत: कथन 1 सही नहीं है।**

23. हिंद-यूनानी शासन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. भारत के उत्तर-पश्चिम सीमा क्षेत्रों में हेलेनिस्टिक कला की शुरुआत यूनानियों द्वारा की गई।
    2. भारत में सर्वप्रथम सोने के सिक्के हिंद-यूनानी शासकों ने जारी किये।
    3. 'मिलिंदपन्हो' बौद्ध भिक्षु नागसेन और यूनानी सम्राट मिलिंद के बीच हुआ संवाद है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- मिलिंद अथवा मिनांडर (165-145 ईसा पूर्व) एक प्रसिद्ध हिंद-यूनानी शासक था। पंजाब में शाकल (आधुनिक सियालकोट) उसकी राजधानी थी। उसने गंगा-यमुना दोआब क्षेत्र पर हमला किया। नागसेन (जिसे नागार्जुन के नाम से भी जाना जाता है) से प्रभावित होकर उसने बौद्ध धर्म अपना लिया। मिलिंद ने नागसेन से बौद्ध धर्म से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे। इन्हीं प्रश्न व उत्तरों का संकलन एक पुस्तक में किया गया है जिसे **'मिलिंदपन्हो'** या 'मिलिंद के प्रश्न' के रूप में जाना जाता है। **अत: कथन 3 सही है।**
- यूनानियों द्वारा वृहद् मात्रा में जारी किये गए सिक्कों के कारण भारत में हिंद-यूनानी शासन महत्त्वपूर्ण माना जाता है। हिंद-यूनानी शासक ऐसे पहले शासक थे जिन्होंने ऐसे सिक्के जारी किये जो एक शासक विशेष से संबंधित होते थे। ये **भारत में सोने के सिक्के जारी करने वाले पहले शासक** भी थे और **इन सिक्कों का प्रचलन कुषाणों के शासन के दौरान बढ़ गया। अत: कथन 2 सही है।**
- यूनानी शासन में भारत के उत्तर-पश्चिमी सीमा क्षेत्रों में हेलेनिस्टिक कला की शुरुआत हुई, लेकिन यह पूर्णतया यूनानी कला नहीं थी, बल्कि सिकंदर की मौत के बाद यूनान के जीते गए देशों के संपर्क में आने से विकसित हुई थी। इसका सर्वोत्तम उदाहरण गांधार कला है। **अत: कथन 1 सही है।**

24. प्राचीन भारत में भाषा और साहित्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. कुषाण काल में यूनानी, प्राकृत और संस्कृत भाषाएँ प्रचलन में थीं।
2. रुद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख काव्यात्मक शैली में लिखा गया था।
3. बुद्ध की जीवनी 'बुद्धचरित' प्राकृत भाषा में लिखी गई थी।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

प्राचीन भारत में भाषा व साहित्य

- कुषाण इस बात से भली-भाँति परिचित थे कि उनके अधीनस्थ क्षेत्रों के लोग कई लिपियों और भाषाओं का प्रयोग करते थे और इसलिये उन्होंने अपने शिलालेख और सिक्के यूनानी, खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि में जारी किये। उन्होंने यूनानी, प्राकृत और संस्कृत प्रभावित प्राकृत और अपने शासन काल के अंत में शुद्ध संस्कृत का प्रयोग किया। **अत: कथन 1 सही है।**
- इस तरह शासकों ने तीन लिपियों और चार भाषाओं को मान्यता प्रदान की और कुषाण काल के सिक्के और शिलालेख उस कालखंड की भाषाओं और लिपियों की परस्पर सहभागिता और सह-अस्तित्व के साक्ष्य हैं। कुषाणों के संवाद करने के तरीके हमें उस समय की साक्षरता की स्थिति से अवगत कराते हैं।
- मौर्यों और सातवाहन राजवंशों ने प्राकृत भाषा को संरक्षण दिया और कुछ मध्य एशियाई राजकुमारों ने संस्कृत साहित्य को बढ़ावा दिया एवं इसका प्रचार-प्रसार किया। **काव्य-शैली के प्रयोग के प्रथम प्रमाण लगभग 150 ई. में काठियावाड़ के जूनागढ़ शिलालेख में मिलते हैं।** उसके बाद से शिलालेख विशुद्ध संस्कृत में लिखे जाने लगे। हालाँकि शिलालेखों में प्राकृत भाषा का प्रयोग चौथी शताब्दी और उसके बाद तक जारी रहा। **अत: कथन 2 सही है।**
- अश्वघोष ने कुषाणों के आश्रय में बुद्ध की जीवनी 'बुद्धचरित' लिखी, जो **संस्कृत काव्य** का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

25. प्राचीन भारत में 'अवदान' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. ये महायान बौद्ध धर्म के इतिहास और शिक्षाओं पर लिखे गए ग्रंथ हैं।

2. 'महावस्तु' और 'दिव्यवदान' इस विधा के महत्त्वपूर्ण ग्रंथ हैं।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- महायान बौद्ध धर्म के विकसित होने से अनेक 'अवदानों' की रचना हुई। **'अवदान' बौद्ध धर्म के जीवन चरित और शिक्षाओं से संबंधित ग्रंथ है।**
- इनमें से अधिकांश ग्रंथ बौद्धों द्वारा परिनिष्ठित संस्कृत में लिखे गए हैं, जिसका एकमात्र उद्देश्य महायान बौद्ध धर्म की शिक्षाओं का प्रसार था। इस शैली के महत्त्वपूर्ण ग्रंथ 'महावस्तु' और 'दिव्यावदान' हैं। **अत: कथन 1 और 2 सही हैं।**
- 'दिव्यावदान' में कुल 38 दंतकथाएँ हैं, जिनमें से कुछ महान बौद्ध सम्राट अशोक के बारे में भी हैं। **'महावस्तु' सबसे बड़ा और प्रसिद्ध ग्रंथ है, इसमें बुद्ध का पूर्व जीवन और उनके जीवन की चमत्कारी घटनाएँ शामिल हैं।**

26. वैदिक ग्रंथों में 'निष्क' और 'शतमान' शब्द संदर्भित हैं:

a. सिक्के या प्रतिष्ठित वस्तुओं से
b. गौ-अनुदान से
c. जाति बहिष्कृत से
d. प्रशासनिक उपाधियों से

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- वैदिक ग्रंथों में 'निष्क' और 'सतमान' शब्दों का प्रयोग सिक्कों के लिये किया गया है, परंतु वे धातु से बनी प्रतिष्ठित वस्तुएँ प्रतीत होती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि वैदिक काल में विनिमय वस्तु-विनिमय पद्धति (Barter) के माध्यम से किया जाता था और पारस्परिक उपहार प्रणाली पूर्व बौद्ध काल में विनिमय के माध्यम के रूप में कार्य करती थी। कभी-कभी मुद्रा के स्थान पर मवेशियों का प्रयोग किया जाता था। **अत: विकल्प (a) सही है।**
- धातु के बने सिक्के सर्वप्रथम गौतम बुद्ध के काल में दिखाई देते हैं। शुरुआती दौर में बने सिक्के चांदी के होते थे। हालाँकि कुछ तांबे के सिक्के भी मौजूद थे। उन्हें 'आहत' सिक्के या 'पंचमार्क' कहा जाता है, क्योंकि ये चांदी और तांबे के टुकड़े थे जिन पर कुछ निश्चित चिन्ह अंकित होते थे, जैसे- पहाड़ियाँ, पेड़, मछली, बैल, हाथी और अर्धचंद्राकार, आदि।

27. वृहद् शिलालेख में उल्लिखित शब्द 'धम्मघोष', संबंधित है:

a. अशोक से
b. चंद्रगुप्त मौर्य से
c. उदायिन से
d. गौतमीपुत्र शातकर्णी से

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- बौद्ध धर्म ने अशोक की राज्य नीति और विदेश नीति की विचारधारा पर गहरा प्रभाव डाला था। कलिंग युद्ध ही एकमात्र प्रमुख युद्ध था जो अशोक ने सिंहासन पर बैठने के बाद लड़ा।
- इस युद्ध में हुए नरसंहार ने अशोक को विचलित कर दिया। इस युद्ध के कारण ब्राह्मण पुजारियों और बौद्ध भिक्षुओं को बहुत दु:ख उठाना पड़ा और अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसके कारण अशोक को बहुत दु:ख और पछतावा हुआ।
- इसलिये उसने सांस्कृतिक विजय के लिये भौगोलिक आधिपत्य की नीति को त्याग दिया। इस नीति को ध्यान में रखते हुए, उसने युद्ध में नगाड़े बजाने (भेरीघोष) को बंद कर **'धम्मघोष'** का आरंभ किया। **इसका विवरण अशोक के तेरहवें वृहद् शिलालेख में मिलता है। अत: विकल्प (a) सही है।**

28. प्राचीन भारत में हुए 'कलभ्र विद्रोह' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. कलभ्र एक आदिवासी समुदाय था, जिसने छठी शताब्दी में चोल वंश और अन्य

समकालीन राजवंशों को पराजित कर सत्ता प्राप्त की थी।

2. यह विद्रोह तत्कालीन दक्षिण भारत की सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था के विरुद्ध लक्षित था।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

कलभ्र विद्रोह

- चोल, चेर और पांड्य वंश के पतन के बाद छठी शताब्दी में एकमात्र महत्त्वपूर्ण घटना कलभ्र के नेतृत्व में हुआ विद्रोह है। कलभ्र एक आदिवासी समुदाय था, जिसने चोल शासक को पराजित कर अपनी सत्ता स्थापित की और 75 वर्षों तक राज किया। उनके शासन ने पल्लवों के साथ-साथ अन्य समकालीन पड़ोसी राज्यों को भी प्रभावित किया। **अत: कथन 1 सही है।**
- कलभ्रों को 'क्रूर शासक' कहा जाता है, जिन्होंने असंख्य राजाओं से सत्ता छीन कर तमिल भूमि पर अपना राज स्थापित किया। कलभ्र विद्रोह भूमिपति ब्राह्मणों के विरुद्ध लक्षित एक शक्तिशाली किसान विद्रोह था। उन्होंने कई गांवों में ब्राह्मणों को दिये गए ब्रह्मदेय अधिकारों (भूमि अनुदान) को समाप्त किया। ऐसा प्रतीत होता है कि कलभ्र बौद्ध विचारधारा के अनुयायी थे। उन्होंने बौद्ध मठों को संरक्षण प्रदान किया था।
- 'कलभ्र विद्रोह' इतने व्यापक स्तर पर फैल गया था कि पांड्य, पल्लव और बदामी के चालुक्य राजवंशों के संयुक्त प्रयासों से ही उन पर काबू पाया जा सका।
- कलभ्रों के खिलाफ राजाओं द्वारा बनाए गए संघ से पता चलता है कि विद्रोह दक्षिण भारत में तत्कालीन सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था के विरुद्ध लक्षित था। संगम ग्रंथों से पता चलता है कि योद्धाओं को बहादुरी के इनाम-स्वरूप गाँव दिये जाते थे। **अत: कथन 2 सही है।**

29. गुप्त काल के साहित्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. 'अमरकोश' पतंजलि द्वारा संकलित संस्कृत का शब्दकोश है।
2. शूद्रक द्वारा रचित 'मृच्छकटिकम्' एक प्रेम कथा है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- गुप्त काल धर्मनिरपेक्ष-साहित्य के लिये उल्लेखनीय रहा है, जिनमें अलंकृत राजदरबारी-काव्य बड़ी मात्रा में शामिल है। भास संस्कृत के महत्त्वपूर्ण कवि थे, जिन्होंने 'दरिद्र चारुदत्त' नामक नाटक की रचना की, जिसे बाद में शूद्रक ने 'मृच्छकटिकम्' के रूप में लिखा। यह नाटक एक निर्धन ब्राह्मण व्यापारी चारुदत्त और वसंतसेना नामक सुंदर गणिका की प्रेम कथा है। **अत: कथन 2 सही है।**
- गुप्तकाल मुख्यत: कालिदास की रचनाओं के लिये प्रसिद्ध है। वे प्राचीन संस्कृत के सर्वश्रेष्ठ कवि थे, जिन्होंने 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' की रचना की। इसे विश्व साहित्य में सम्मान प्राप्त है। यह भारत के प्रसिद्ध शासक 'भरत' की माता शकुंतला और पिता दुष्यंत की प्रेम-कथा है।
- गुप्तकाल में रचे गए साहित्य की दो आम विशेषताएँ हैं। पहली यह कि इनमें सभी रचनाएँ सुखांत रचनाएँ हैं। इनमें कोई भी दुखांत रचनाएँ नहीं पाई जाती हैं। दूसरी यह कि इसके पात्रों में उच्च जाति और निम्न जाति के लोग समान भाषा नहीं बोलते। इन नाटकों की स्त्रियाँ और शूद्र पात्र प्राकृत बोलते हैं, जबकि उच्च वर्ग के लोग संस्कृत बोलते हैं।

- गुप्तकाल में पाणिनि और पतंजलि के कार्यों पर आधारित संस्कृत व्याकरण का भी विकास हुआ। चंद्रगुप्त द्वितीय के **दरबार के रत्न अमरसिंह** द्वारा रचित **'अमरकोश'** का संकलन इस युग के लिये स्मरणीय है। पारंपरिक तरीके से संस्कृत सीखने वाले विद्यार्थी इस शब्दकोश को कंठस्थ कर लिया करते थे। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

30. गुप्त काल की प्रशासनिक व्यवस्था के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. गुप्त साम्राज्य में सबसे महत्त्वपूर्ण अधिकारी 'कुमारामात्य' थे।
    2. साम्राज्य को विभिन्न विभागों में विभाजित किया गया था, जिन्हें 'विषय' (Vishaya) कहा जाता था, जिसे एक विषयपति के प्रभार में रखा जाता था।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- गुप्तकालीन नौकरशाही में साम्राज्य के सबसे महत्त्वपूर्ण अधिकारी *कुमारामात्य* होते थे। उन्हें राजा द्वारा अधीनस्थ प्रांतों में प्रशासनिक सेवा के लिये नियुक्त किया जाता था और संभवत: उन्हें नकद पारिश्रमिक दिया जाता था। चूँकि गुप्त वैश्य थे, इसलिये नियुक्ति उच्च वर्ण तक ही सीमित नहीं थी, लेकिन बहुत से विभाग एक ही व्यक्ति के नियंत्रण में थे और पद वंशानुगत हो गए। **अत: कथन 1 सही है।**
- स्वाभाविक तौर पर इससे राजकीय नियंत्रण कमज़ोर हो गया। गुप्त राजाओं द्वारा प्रांतीय और स्थानीय व्यवस्था की एक प्रणाली विकसित की गई थी। साम्राज्य को क्षेत्रों या प्रांतों में विभाजित किया गया था, जिन्हें *भुक्ति* कहा जाता था और भुक्ति का प्रशासक उपरिक कहलाता था। इन भुक्तियों को ज़िलों (विषय) में बाँटा जाता था, जो कि *विषयपति* के अधीन होते थे। पूर्वी-भारत में विषयों को *वीथि* में विभाजित किया जाता था, जो आगे ग्रामों में विभाजित थे। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

31. आर्किया के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. ये चरम आवास स्थानों में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों का एक आदिम समूह है।
    2. ये किसी भी रूप में मनुष्यों से संबंद्ध नहीं हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही *नहीं* है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- हाल ही में पुणे में राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव संपदा केंद्र (National Centre for Microbial Resource) के वैज्ञानिकों ने एक नए आर्किया (एककोशिकीय सूक्ष्मजीव) का पता लगाया है। इस नए आर्किया की खोज राजस्थान की सांभर झील में की गई।
    - इस नए आर्किया को नट्रीअल्बा स्वरूपिए (Natrialba Swarupiae) नाम देश में माइक्रोबियल विविधता अध्ययनों में जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव डॉ. रेनू स्वरूप की उनकी पहल के लिये दिया गया है।
- **आर्किया, सूक्ष्मजीवों का एक प्राचीन समूह है जो गर्म झरनों, ठंडे रेगिस्तानों और अति लवणीय झीलों जैसे चरम आवासों में पनपता है। अतः कथन 1 सही है।**
    - शोधकर्त्ताओं ने जीनोम विश्लेषण के आधार पर पता लगाया है कि इन जीवों में जीन क्लस्टर के निर्माण की क्षमता होती है जो बेहद कठोर परिस्थितियों में जीवित रहने के लिये आर्किया के उपापचय को बनाए रखने में मदद करते हैं।
- ये जीव धीमी गति से बढ़ते हैं और मनुष्य की आँतों में भी मौजूद होते हैं। इनमें मानव

स्वास्थ्य को प्रभावित करने की क्षमता होती है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- विश्व के वैज्ञानिक आर्किया के वर्गीकरण पर काम कर रहे हैं किंतु आर्किया पर किये गए अध्ययनों से इस संबंध में बहुत कम जानकारी प्राप्त हुई है कि ये मानव शरीर में कैसे काम करते हैं।

- ये रोगाणुरोधी अणुओं के उत्पादन के लिये, अपशिष्ट जल उपचार में अनुप्रयोगों के लिये तथा एंटीऑक्सिडेंट गतिविधियों के लिये जाने जाते हैं।
- ये विशेष जीव डीएनए की प्रतिकृति, पुनर्संयोजन और मरम्मत में सहायता प्रदान करते हैं।

32. हाल ही में समाचार में रही 'शांति वन पहल' किसके द्वारा शुरू की गई है?

a. दक्षिण कोरिया
b. भारत
c. ब्राज़ील
d. भूटान

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- शांति वन पहल, पारिस्थितिक बहाली का शांति-निर्माण प्रक्रिया के रूप में उपयोग करने हेतु **दक्षिण कोरिया** की एक पहल है। इसका उद्देश्य संघर्षग्रस्त सीमावर्ती क्षेत्रों में भूमि क्षरण के मुद्दे से निपटना और विशेष रूप से वहाँ के निवासी तथा शत्रु देशों के बीच तनाव को कम करने एवं विश्वास का निर्माण करने हेतु प्रयास करना है।
- भूमि बहाली के माध्यम से शांति को बढ़ावा देने के लिये एक वैश्विक पहल पर संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय (UNCCD) और कोरिया वन सेवा (KFS) द्वारा हस्ताक्षर किये गए थे।
- इस पहल को नई दिल्ली में UNCCD COP14 में लॉन्च किया गया। **अतः विकल्प (a) सही है।**

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आदिम जनजातीय समूह (PTGs) ढेबर आयोग द्वारा बनाया गया था।
2. ओडिशा में सबसे अधिक सुभेध PTGs पाए जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही *नहीं* है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **1973 में ढेबर आयोग ने** कुछ जनजातियों को जनजातीय समूहों के बीच उनकी अधिक भेद्यता और पिछड़ेपन के आधार पर **आदिम जनजातीय समूह (Primitive Tribal Groups-PTGs)** नामक श्रेणी का विचार दिया।
  - वर्ष 2006 में भारत सरकार ने **PTGs का** विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के रूप में पुनर्नामकरण किया। **अत: कथन 1 सही है।**
- PVTGs में वर्तमान में 75 जनजातीय समूहों को शामिल किया गया है, जिनकी पहचान निम्न मानदंडों के आधार पर की गई है: वन-निर्भर आजीविका, अस्तित्व का पूर्व-कृषि स्तर, स्थिर या घटती जनसंख्या।
- ऐसे समूह की प्रमुख विशेषताओं में एक आदिम-कृषि प्रणाली का प्रचलन, शिकार और खाद्य संग्रहण का अभ्यास, शून्य या नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि, अन्य जनजातीय समूहों की तुलना में साक्षरता का अत्यंत निम्न स्तर आदि शामिल है।
- 75 सूचीबद्ध PVTGs में से इनकी सबसे अधिक संख्या ओडिशा (13) में पाई जाती है, इसके बाद आंध्र प्रदेश (12), बिहार सहित झारखंड (9) मध्य प्रदेश सहित छत्तीसगढ़ (7) तमिलनाडु (6) केरल और गुजरात (दोनों में पाँच-पाँच समूह) हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
  - सबसे अधिक संवेदनशील समूहों के रूप में अंडमान द्वीप समूह के शोम्पेन, सेंटीनलीज़ और जारवा, ओडिशा के बोंडो, केरल के

चोलानैक्कन, छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़िया और झारखंड के PVTG की सूची में शामिल सभी जनजातियों को अनुसूचित जनजाति (ST) का दर्जा नहीं दिया गया है।
    - केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे PVTG राज्यों में अनुसूचित क्षेत्र नहीं हैं, जिससे इन जनजातियों की भेद्यता बढ़ रही है, क्योंकि इन्हें पाँचवीं अनुसूची और पंचायतों के प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 द्वारा प्रदत्त सुरक्षा और अधिकार प्राप्त नहीं हैं।

34. भारत का सबसे बड़ा कृत्रिम द्वीप 'विलिंगडन द्वीप' कहाँ अवस्थित है?

a. केरल
b. आंध्र प्रदेश
c. असम
d. गुजरात

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- हाल ही में भारतीय नौसेना द्वारा कोच्चि स्थित विलिंगडन द्वीप (Willingdon Island) पर फिट इंडिया और गो ग्रीन (Fit India and Go Green) नामक दो पहलों का आयोजन किया गया।
- विलिंगडन द्वीप भारत का सबसे बड़ा कृत्रिम अर्थात् मानव निर्मित द्वीप है।
- यह द्वीप केरल में अवस्थित **वेम्बनाद झील** का ही एक हिस्सा है।
- विलिंगडन द्वीप कोच्चि बंदरगाह के साथ-साथ भारतीय नौसेना की कोच्चि नौसेना बेस के लिये भी महत्त्वपूर्ण है।
- इसका नाम वायसराय लॉर्ड विलिंगडन के नाम पर रखा गया था और उनके ही शासन काल में वर्ष 1936 में समस्त विश्व के साथ ब्रिटिश भारत के व्यापार संबंधों को सुधारने के लिये इसे कृत्रिम रूप से बनाया गया था।

अतः विकल्प (a) सही है।

35. भारत के जियोकेमिकल बेसलाइन एटलस 'के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह मिट्टी में रासायनिक तत्त्वों के संकेंद्रण और वितरण का दस्तावेज़ है।
2. यह पहली बार वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 2019 में जारी किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- हाल ही में भारत का पहला जियोकेमिकल बेसलाइन एटलस (Geochemical Baseline Atlas) जारी किया गया है। इस एटलस में लगभग 45 मानचित्र शामिल हैं जिनमें देश में मृदा की सतह और उसके नीचे की धातुओं, ऑक्साइड्स एवं तत्त्वों के बारे में जानकारी उपलब्ध है। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह एटलस वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान (Council of Scientific and Industrial Research- CSIR) के तहत कार्यरत राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (National Geophysical Research Institute- NGRI) द्वारा जारी किया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**
- इस एटलस का उपयोग नीति निर्माताओं द्वारा पर्यावरणीय क्षति का आकलन करने हेतु किया जाएगा।
- पृथ्वी की सतह पर होने वाले रासायनिक संरचना और परिवर्तन के आकलन में यह जानकारी देश की भावी पीढ़ी के लिये सहायक होगी।
- ये मानचित्र, उद्योगों या अन्य निकायों से निकलने वाले संदूषकों के कारण भविष्य में प्रदूषण स्तर का पता लगाने में भी सहायक सिद्ध होंगे।
- इन मानचित्रों में प्रस्तुत भू-रासायनिक डेटा **अंतर्राष्ट्रीय भूगर्भीय विज्ञान संघ**

(International Union of Geological Sciences) द्वारा तैयार किये जाने वाले वैश्विक मानचित्र का एक हिस्सा होगा।

36. हाल ही में खबरों में देखा गया देउचा पंचमी कोयला ब्लॉक, भारत के किस राज्य में स्थित है?

a. झारखंड
b. ओडिशा
c. पश्चिम बंगाल
d. छत्तीसगढ़

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- बीरभूम कोयला क्षेत्र का देउचा पंचमी कोयला ब्लॉक विश्व का दूसरा सबसे बड़ा कोयला ब्लॉक है जो **पश्चिम बंगाल में** स्थित है। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- कोयला भंडारण की क्षमता के कारण यह **एशिया का सबसे बड़ा** कोयला ब्लॉक है। यह पश्चिम बंगाल की सबसे नई कोयला खदान है।
- बीरभूम कोयला क्षेत्र में प्रस्तावित खनन परियोजना हाल ही में इस क्षेत्र के लोगों की अपेक्षित पर्यावरणीय चिंताओं और विस्थापन के कारण चर्चा में रही है।

37. निम्नलिखित में से कौन-सा/से देश बेनेलक्स यूनियन के सदस्य है/हैं?

1. बेल्ज़ियम
2. लक्ज़मबर्ग
3. नॉर्वे
4. नीदरलैंड

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 4
c. केवल 1
d. 1, 2 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- बेनेलक्स यूनियन एक राजनीतिक-आर्थिक संघ है जिसे बेनेलक्स के रूप में भी जाना जाता है। यह पश्चिमी यूरोप के तीन पड़ोसी राज्यों: बेल्ज़ियम, नीदरलैंड और लक्ज़मबर्ग का औपचारिक अंतर्राष्ट्रीय अंतर-सरकारी सहयोग मंच है।
- वर्ष 1958 में बेनेलक्स आर्थिक संघ की संधि पर हस्ताक्षर किये गए तथा वर्ष 1960 में यह प्रभाव में आया।
    - बेनेलक्स पहला पूर्णतः मुक्त अंतरराष्ट्रीय श्रम बाज़ार बन गया है और पूंजी एवं सेवाओं की पहले से ही मुक्त आवाजाही की अनुमति थी। **अतः विकल्प (d) सही है।**

38. हाजोंग, कोच और राभा जनजातियाँ मुख्य रूप से भारत के किस क्षेत्र में पाई जाती हैं?

a. पश्चिम हिमालयी क्षेत्र
b. पश्चिमी घाट क्षेत्र
c. छोटा नागपुर पठार क्षेत्र
d. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- पाँच अल्पसंख्यक जनजातियों- बोडो-कछारी, हाज़ोंग, कोच, मान तथा राभा को मेघालय की स्वायत्त आदिवासी परिषदों में 'अनरिप्रिज़ेन्टेड जनजातियों' (Unrepresented Tribes) के रूप में नामांकित किया गया है।
- ये आदिवासी परिषदें गारो, खासी तथा जयंतिया जनजातियों के नाम पर आधारित हैं, जो राज्य के तीन प्रमुख मातृसत्तात्मक समुदाय हैं।
- 26 सितंबर, 2019 को मेघालय राज्य सरकार द्वारा छठी अनुसूची में संशोधन के लिये गठित एक उप-समिति ने संशोधित

विशेष प्रावधान से 'अनरिप्रिज़ेन्टेड जनजातियाँ' शब्द हटाने हेतु संसद की स्थायी समिति से सिफारिश करने का निर्णय लिया था।

- राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधन जनजातियों को स्वायत्त ज़िला परिषदों में संवैधानिक अधिकारों तथा प्रतिनिधित्व के अवसर से वंचित कर सकता है क्योंकि वयस्क मताधिकार के आधार पर उनका निर्वाचन संभव नहीं होगा।
- ये छोटी जनजातियाँ मुख्य रूप से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, मेघालय आदि में निवास करती हैं। **अतः विकल्प (d) सही है।**

39. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. क्यूबिट, क्वांटम कंप्यूटरों की संगणना इकाई है।
    2. सुपर कंप्यूटर की तुलना में क्वांटम कंप्यूटर धीमे होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- क्वांटम भौतिकी के सिद्धांतों पर आधारित कंप्यूटर क्वांटम कंप्यूटर कहलाते हैं।
- क्वांटम कंप्यूटर बाइनरी डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर से भिन्न होते हैं जो ट्रांजिस्टर (इलेक्ट्रॉनिक संकेतों और विद्युत शक्ति संवर्द्धन हेतु एक अर्धचालक उपकरण) पर आधारित होते हैं।
- एक सामान्य डिजिटल कंप्यूटर में सूचनाएँ बाइनरी अंकों (बिट्स) में संग्रहीत की जाती है, जबकि क्वांटम कंप्यूटर में सूचना 'क्वांटम बिट' या 'क्यूबिट' के रूप में संग्रहीत होती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- सामान्य कंप्यूटर, प्रोसेसिंग के दौरान बाइनरी इनपुट (0 या 1) में से किसी एक को ही एक बार ऑपरेट कर सकते हैं वहीं क्वांटम कंप्यूटर दोनों बाइनरी इनपुट को एक साथ ऑपरेट कर सकते हैं।
- सुपर कंप्यूटर क्वांटम कंप्यूटर की तुलना में धीमे होते हैं। 100 क्युबिट से कम की क्षमता रखने वाला कोई क्वांटम कंप्यूटर किसी बहुत अधिक आँकड़े वाली उन समस्याओं को भी हल कर सकता है जो किसी आधुनिक कंप्यूटर की क्षमता से बाहर है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- क्वांटम कंप्यूटर को किसी बड़े वातानुकूलित सर्वर रूम में रखा जाता है जहाँ कई सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट को स्टैक में रखा जाता है।

40. बॉम्बे रक्त समूह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह एक दुर्लभ रक्त समूह है जिसमे H-एंटीजन की कमी होती है।
    2. बॉम्बे रक्त समूह वाले व्यक्तियों को केवल hh रक्त वाले व्यक्तियों से रक्ताधान किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

	Group A	Group B	Group AB	Group O
Red blood cell type	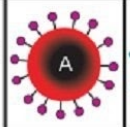	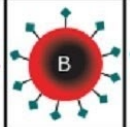	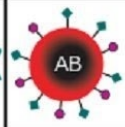	
Antibodies in Plasma	Anti-B	Anti-A	None	Anti-A and Anti-B
Antigens in Red Blood Cell	A antigen	B antigen	A and B antigens	None

- ABO रक्त समूह प्रणाली के तहत सबसे सामान्य चार रक्त समूह A, B, AB और O हैं।

- प्रत्येक लाल रक्त कोशिका की सतह पर एंटीजन होता है, जो यह निर्धारित करने में मदद करता है कि वह किस समूह से संबंधित है।
- उदाहरण के लिये, AB रक्त समूह में, एंटीजन A और B दोनों पाए जाते हैं। A में A एंटीजन और B में B एंटीजन होगा। O में, A या B दोनों ही एंटीजन नहीं होंगे।

- दुर्लभ बॉम्बे रक्त समूह की खोज पहली बार वर्ष 1952 में मुंबई (तब बॉम्बे) में डॉ. वाई.एम. भेंडे ने की थी।
- बॉम्बे रक्त समूह, जिसे hh भी कहा जाता है, एंटीजन H को व्यक्त कर पाने में कमज़ोर होता है, जिसका अर्थ है कि RBC पर कोई एंटीजन H नहीं होता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- अक्सर hh रक्त समूह और O समूह की पहचान करने में भ्रम हो जाता है। इनके बीच अंतर यह है कि O समूह में एंटीजन H होता है, जबकि hh समूह में एंटीजन नहीं होता है।
- हालाँकि इस रक्त समूह की दुर्लभता के कारण ऐसे व्यक्तियों को रक्त आधान अर्थात् रक्त चढ़ाने (Blood Transfusion) के दौरान समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं।
- बॉम्बे ब्लड ग्रुप वाले व्यक्ति को केवल बॉम्बे hh फेनोटाइप के व्यक्ति से स्वजात रक्त (Autologous Blood) या रक्त आधान (अर्थात् रक्त चढ़ाया जा सकता है) किया जा सकता है जो बहुत दुर्लभ है। **अतः कथन 2 सही है।**
- यदि ऐसे व्यक्ति को A, B, AB या O ब्लड ग्रुप से रक्त चढ़ाया जाता है उस व्यक्ति का शरीर इस प्रकार के रक्त को अस्वीकृत कर सकता है जो कि एक जोखिमपूर्ण स्थिति है। इसके विपरीत hh रक्त समूह वाला व्यक्ति A, B, O रक्त प्रकार के व्यक्ति को अपना रक्त दान कर सकता है।
- विश्व स्तर पर चार मिलियन में से किसी एक व्यक्ति में hh रक्त प्रकार पाया जाता है। भारत में प्रत्येक 7,600 से 10,000 व्यक्तियों में एक व्यक्ति इस रक्त समूह के साथ पैदा होता है।

41. हाल ही में लॉन्च की गई मणि (MANI) एप के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह दृष्टिहीन लोगों को मुद्रा नोटों के मूल्यवर्ग की पहचान करने में मदद करती है।
    2. यह एप मुद्रा नोट के असली या नकली होने का प्रमाणन भी करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने दृष्टिबाधित लोगों की मुद्रा नोटों के मूल्यवर्ग की पहचान करने में मदद के लिये एक मोबाइल एप- **मोबाइल एडेड नोट आइडेंटिफ़ायर (MANI)** लॉन्च की है। **अतः कथन 1 सही है।**
- इस एप की कुछ विशेषताएँ हैं:
    - यह नोट के सामने या पीछे की ओर के हिस्से की जाँच कर, प्रकाश की विस्तृत रेंज (सामान्य/दिन/मंद/कम प्रकाश) में महात्मा गांधी शृंखला और महात्मा गांधी नई शृंखला के नोटों की पहचान करने में सक्षम है।
    - यह हिंदी/अंग्रेज़ी में ऑडियो अधिसूचना और कंपन (दृष्टि और श्रवण हानि वाले लोगों के लिये उपयुक्त) जैसे गैर-ध्वनि मोड के माध्यम से नोट पर मुद्रित मूल्य की पहचान कर सकता है ।
    - एक बार इंस्टाल करने के बाद इस मोबाइल एप्लिकेशन को इंटरनेट की आवश्यकता नहीं है और ऑफ़लाइन मोड में भी काम करती है।
    - यह मोबाइल एप्लिकेशन मुद्रा नोट के वास्तविक या नकली होने का

प्रमाणन नहीं करती है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

42. यूनेस्को के भाषाओं की सुभेद्यता के मानदंड के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यदि किसी भाषा को बच्चे मातृभाषा के रूप में नहीं सीखते हैं तो इसे निश्चित रूप से संकटग्रस्त माना जाता है।
    2. यूनेस्को द्वारा किसी भी भारतीय भाषा को गंभीर रूप से संकटग्रस्त नहीं माना गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारत सरकार वर्तमान में किसी भाषा की लिपि और प्रभावी रूप से मौखिक भाषा की परंपरा पर आधारित होने पर उसे भाषा के रूप में परिभाषित करती है।
    - सरकार 122 भाषाओं को मान्यता देती है, जो भारतीय लोक भाषा सर्वेक्षण के तहत आकलित लगभग 780 भाषाओं से बहुत कम है।
    - यह विसंगति मुख्य रूप से इसलिये है क्योंकि भारत सरकार किसी भाषा को बोलने वालों की संख्या 10,000 से कम होने पर उसे भाषा के रूप में मान्यता नहीं देती है। **यूनेस्को ने 42 भारतीय भाषाओं को गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered) माना है।**
- **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा अपनाया गया मानदंड:** एक भाषा को विलुप्त माना जाता है जब कोई भी उस भाषा को बोलने वाला नहीं होता या उसे याद नहीं रखा जाता।

लुप्तप्राय भाषाएँ

- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा अपनाए गए मानदंडों के अनुसार, एक भाषा तब विलुप्त मानी जाती है जब कोई भी उस भाषा को नहीं बोलता या याद नहीं रखता। यूनेस्को ने भाषा की लुप्तता के खतरे के आधार पर भाषाओं को निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया है:-
    - संवेदनशील (Vulnerable)
    - निश्चित रूप से संकटग्रस्त (Definitely Endangered)
    - अत्यंत संकटग्रस्त (Severely Endangered)
    - गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered)

खतरे का स्तर	**अंतर-पीढ़ी भाषा संचरण (Intergenerational Language Transmission)**
सुरक्षित (Safe)	इस स्तर में भाषा सभी पीढ़ियों द्वारा बोली जाती है और अंतर-पीढ़ी संचरण निर्बाध रुप से होता है।
संवेदनशील (Vulnerable)	इस स्तर में भाषा अधिकांश बच्चों द्वारा बोली जाती है किंतु यह भाषा कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित हो सकती है।
निश्चित रुप से संकटग्रस्त (Definitely Endangered)	इस स्तर में भाषा को बच्चे घर में मातृभाषा के रूप में नहीं सीखते हैं।
अत्यंत संकटग्रस्त (Severely Endangered)	इस स्तर में भाषा दादा-दादी और पुरानी पीढ़ियों द्वारा बोली जाती है। इस भाषा को मूल पीढ़ी समझ सकती है किंतु वे इस भाषा को बच्चों से या आपस में नहीं बोलते हैं।
गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered)	इस स्तर में भाषा दादा-दादी और बूढ़ों द्वारा आंशिक रूप से या कभी -कभी बोली जाती है।

विलुप्त (Extinct)	जब भाषा बोलने वाला कोई भी नहीं बचा हो।

43. स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 रिपोर्ट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. यह सर्वेक्षण आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) द्वारा आयोजित किया गया था।
    2. इसका मूल्यांकन प्रतिवर्ष स्वच्छ भारत मिशन- शहरी के मासिक अद्यतनीकरण के आधार पर किया जाता है।
    3. पश्चिम बंगाल स्वच्छता की श्रेणी में शीर्ष पाँच प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल था।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (Ministry of Housing and Urban Affairs) ने 31 दिसंबर, 2019 को स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 की पहली और दूसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की।
    - **स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 मंत्रालय द्वारा आयोजित वार्षिक शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण का 5वाँ संस्करण है। अतः कथन 1 सही है।**
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 का मूल्यांकन शहरों में 12 सेवा स्तर प्रगति संकेतकों पर नागरिकों की मान्यता के साथ स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) ऑनलाइन प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) के मासिक अपडेशन के आधार पर प्रत्येक तिमाही (वार्षिक रूप से नहीं) के लिये किया गया है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- इसकी रैंकिंग दो श्रेणियों-पहली एक लाख और उससे ऊपर की आबादी वाले शहरों तथा दूसरी एक लाख से कम आबादी वाले नगरों के लिये की गई है।

महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- स्वच्छता रैंकिंग पहली बार लीग प्रारूप में आयोजित की जा रही है। गौरतलब है कि रैंकिंग को तीन तिमाहियों (अप्रैल से जून, जुलाई से सितंबर और अक्तूबर से दिसंबर, 2019) एवं शहर की जनसंख्या के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया गया है। ध्यातव्य है कि यह सर्वेक्षण जून 2019 में शुरू किया गया था।
- इंदौर और जमशेदपुर लगातार दो तिमाहियों में क्रमशः 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों और 1 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणियों में स्वच्छता चार्ट में सबसे ऊपर हैं।
- **कोलकाता दोनों तिमाहियों में 49 बड़े शहरों की रैंकिंग में सबसे नीचे रहा क्योंकि पश्चिम बंगाल ने इस देशव्यापी अभ्यास में भाग नहीं लिया। अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में इंदौर पिछले स्वच्छता सर्वेक्षणों की तरह वर्ष 2019 की पहली दो तिमाहियों के लिये स्वच्छता सर्वेक्षण में भी प्रथम स्थान पर बना हुआ है, जबकि पहली तिमाही में भोपाल और दूसरी तिमाही में राजकोट दूसरे स्थान पर और पहली तिमाही में सूरत, जबकि दूसरी तिमाही में नवी मुंबई तीसरे स्थान पर काबिज़ है।
- 1 लाख से 10 लाख तक की जनसंख्या वाले शहरों में पहली व दूसरी तिमाही में जमशेदपुर प्रथम स्थान पर बना रहा, जबकि पहली तिमाही में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद क्षेत्र दूसरे और खरगौन (मध्य प्रदेश) तीसरे स्थान पर और दूसरी तिमाही में चंद्रपुर (महाराष्ट्र) दूसरे और खरगौन तीसरे स्थान पर काबिज़ रहे हैं। गौरतलब है कि नई दिल्ली दूसरी तिमाही में दूसरे स्थान से खिसक कर छठे स्थान पर पहुँच गया है।

44. यक्षगान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह मुख्य रूप से केरल राज्य में प्रचलित एक लोकनाट्य परंपरा है।

2. यह भक्ति आंदोलन से प्रभावित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

हाल ही में यक्षगान समिति द्वारा 60वें वार्षिक यक्षगान (60th Annual Yakshagana) का आयोजन कर्नाटक के पद्मानुर गाँव (Padmanur Village) में किया गया।

यक्षगान समिति को आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक यक्षगान बायलता समिति (Sarvajanika Yakshagana Bayalata Samithi) के रूप में जाना जाता है और इसे वर्ष 1959 में स्थापित किया गया था।

यह एक बहु-धार्मिक समिति है जिसमें हिंदू, ईसाई और मुस्लिम शामिल हैं।

- **कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में किया जाने वाला यह प्रसिद्ध लोकनाट्य है। अतः कथन 1 सही है।**
- यक्ष का शाब्दिक अर्थ है- यक्ष के गीत। कर्नाटक में यक्षगान की परंपरा लगभग 800 वर्ष पुरानी मानी जाती है।
- इसमें संगीत की अपनी शैली होती है जो भारतीय शास्त्रीय संगीत 'कर्नाटक' और 'हिन्दुस्तानी' शैली दोनों से अलग है।
- यह संगीत, नृत्य, भाषण और वेशभूषा का एक समृद्ध कलात्मक मिश्रण है। इस कला में संगीत नाटक के साथ-साथ नैतिक शिक्षा और जन मनोरंजन जैसी विशेषताओं को भी महत्त्व दिया जाता है।
- यक्षगान की कई समानांतर शैलियाँ हैं जिनकी प्रस्तुति आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में की जाती है।
- यक्षगान भक्ति आंदोलन से काफी प्रभावित है। **अतः कथन 2 सही है।**

45. ओस्लो समझौते के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

a. वे यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ के बीच समझौते की अंतिम शर्तें हैं।
b. यह इज़रायल और फिलिस्तीनियों के बीच समझौतों की एक शृंखला हैं।
c. यह एक बहुपक्षीय मिसाइल प्रौद्योगिकी निर्यात नियंत्रण व्यवस्था है।
d. यह स्कैंडिनेवियन देशों के बीच शांति और सहयोग का एक आपसी समझौता है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

ओस्लो समझौता

- ओस्लो समझौता 1990 के दशक में इज़राइल और फिलीस्तीन के बीच हुए समझौतों की एक शृंखला है। **अतः विकल्प (b) सही है।**
- पहला ओस्लो समझौता वर्ष 1993 में हुआ जिसके अंतर्गत इज़राइल और फिलिस्तीन मुक्ति संगठन ने एक-दूसरे को आधिकारिक मान्यता देने तथा हिंसक गतिविधियों को त्यागने पर सहमति प्रकट की। ओस्लो समझौते के तहत एक फिलिस्तीनी प्राधिकरण की भी स्थापना की गई थी। हालाँकि इस प्राधिकरण को गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक के भागों में सीमित स्वायत्तता ही प्राप्त हुई थी।
- इसके पश्चात् वर्ष 1995 में दूसरा ओस्लो समझौता किया गया जिसमें वेस्ट बैंक के 6 शहरों और लगभग 450 कस्बों से इज़राइली सैनिकों की पूर्ण वापसी का प्रावधान शामिल था।
- फिलिस्तीन ने कहा है कि यदि अमेरिका मध्य पूर्व शांति योजना की घोषणा करता है तो वह ओस्लो समझौते के प्रमुख प्रावधानों से पीछे हट जाएगा।
- माना जा रहा है कि यह योजना इज़राइल के फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर अस्थायी कब्ज़े को एक स्थायी व्यवस्था के रूप में मान्यता दे देगी।

46. भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी कलर कोड आधारित मौसम चेतावनी प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पीला रंग कई दिनों तक खराब मौसम के रहने का प्रतीक है।

2. ऑरेंज रंग दर्शाता है कि कोई भी एडवाइज़री जारी नहीं की गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- मौसम संबंधी विनाशकारी घटनाओं के प्रबंधन में शामिल सरकारी विभागों जैसे NDMA और अन्य हितधारकों के सहयोग से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) कलर कोड का उपयोग करके मौसम संबंधी चेतावनी जारी करता है। IMD ने दिसंबर 2019 में हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बर्फबारी के लिये पीले मौसम की चेतावनी जारी की थी।

कलर कोड आधारित वेदर वार्निंग

- यह IMD द्वारा जारी किया जाता है जिसका उद्देश्य गंभीर या खतरनाक मौसम से पहले लोगों को सचेत करना है जिसमें नुकसान, व्यापक नुकसान या जीवन के लिये खतरा उत्पन्न होने की संभावना है। इन चेतावनियों को दैनिक रूप से अद्यतन किया जाता हैं। IMD 4 कलर कोड का उपयोग करता है:
  - **हरा (सब ठीक है):** कोई एडवाइज़री जारी नहीं की गई है।
  - **पीला (सावधान रहे)**: पीला (Yellow) कई दिनों तक अत्यंत खराब मौसम को दर्शाता है। इससे यह भी पता चलता है कि मौसम खराब हो सकता है, जिससे दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में व्यवधान आ सकता है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - **ऑरेंज/एम्बर (तैयार रहें):** ऑरेंज अलर्ट को सड़क और रेल यातायात द्वारा आवागमन में बाधा और बिजली की आपूर्ति में रुकावट के साथ बेहद खराब मौसम की चेतावनी के रूप में जारी किया जाता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - **रेड (कार्रवाई अपेक्षित):** जब बेहद खराब मौसम की स्थिति निश्चित रूप से यात्रा और बिजली के बाधित होने और जान-माल के लिये पर्याप्त जोखिम हो तो रेड अलर्ट जारी किया जाता है।
- ये अलर्ट प्रकृति में सार्वभौमिक हैं और बाढ़ के दौरान भी जारी किये जाते हैं, जो कि मूसलाधार वर्षा के परिणामस्वरूप भूमि के ऊपर/नदी में पानी की मात्रा पर निर्भर करता है।

47. हाल ही में 'संतुष्ट पोर्टल' किस मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था?

a. उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय।
b. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय।
c. श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय
d. संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारत सरकार के **श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय** (Ministry of Labour and Employment) ने ज़मीनी स्तर पर श्रम कानूनों के कियान्वयन की निगरानी के लिये **संतोष पोर्टल** (Santusht Portal) शुरू किया है। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- इसका उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही, सार्वजनिक सेवाओं का प्रभावी वितरण तथा नीतियों का क्रियान्वयन, निरंतर निगरानी के माध्यम से ज़मीनी स्तर पर श्रम और रोज़गार मंत्रालय की योजनाओं को बढ़ावा देना है।
- इस पोर्टल द्वारा ज़मीनी स्तर पर सार्वजनिक सेवाओं, पारदर्शिता, जवाबदेही, योजनाओं व नीतियों पर फोकस किया जाएगा तथा श्रमिकों व रोज़गार प्रदाताओं की शिकायतों का निवारण किया जाएगा।

48. हाल ही में समाचारों में देखा गया एंगुइला द्वीप कहाँ अवस्थित है?

a. हिंद महासागर

b. उत्तरी अटलांटिक महासागर
c. दक्षिण अटलांटिक महासागर
d. प्रशांत महासागर

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- एंगुइला (Anguilla), कैरेबियन सागर में एक द्वीप है जिसने दो नवीन प्रौद्योगिकियों- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और वैनिटी यूनिफार्म रिसोर्स लोकेटर (ULR)) के माध्यम से वित्तीय लाभ कमाया है। यह पूर्वी कैरेबियन सागर में स्थित एक ब्रिटिश समुद्रपारीय द्वीप है अर्थात इस पर ब्रिटेन का अधिकार है।
    - कैरेबियन सागर अटलांटिक महासागर का एक भाग है जो मैक्सिको की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में है। **अतः विकल्प (b) सही है।**
    - इसका निर्माण मूँगा एवं चूना पत्थर से हुआ है और यहाँ की जलवायु उष्णकटिबंधीय है।
- 'AI' एंगुइला का 'कंट्री कोड' है और यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence) का एक संक्षिप्त रूप भी है।
- **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एंगुइला को वित्तीय लाभ:** जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप या कोई बड़ी कंपनी या कोई निवेशक द्वारा इंटरनेट एड्रेस जो कि '.ai' के साथ समाप्त होता है, पंजीकृत या नवीनीकृत करवाया जाता है तो इस द्वीप को वार्षिक रूप से 50 डॉलर का शुल्क उन स्टार्टअप्स, कंपनियों या निवेशकों से मिलता है जो ज़्यादातर एंगुइला के सरकारी राजकोष में जमा होता है।
    - वैनिटी यूआरएल (Uniform Resource Locator- URL) एक अनूठा वेब एड्रेस है जिसका उपयोग मार्केटिंग उद्देश्यों को पूरा करने के लिये किया जाता है। वैनिटी URL एक प्रकार का कस्टम URL है जो उपयोगकर्त्ताओं को किसी एक वेबसाइट के विशिष्ट पृष्ठ को याद रखने और खोजने में मदद करता है।

49. व्योम मित्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह GSLV रॉकेटों की निगरानी करने में सहायता करने हेतु एक छोटा उपग्रह है।
    2. यह गगनयान मिशन के घटकों में से एक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (ISRO) ने मानवयुक्त गगनयान मिशन हेतु एक अर्द्ध-मानवीय (Half-Humanoid) रोबोट 'व्योममित्र' को लॉन्च किया है।
- दिसंबर 2021 के अपने बहुप्रत्याशित कार्यक्रम 'गगनयान मिशन' से पहले इसरो प्रायोगिक रूप से दो मानवरहित गगनयान अंतरिक्ष में भेजेगा।
    - इसरो इन दो मानवरहित कार्यक्रमों में चालक दल के सदस्यों के स्थान पर अर्द्ध-मानव (Half-Humanoid) व्योममित्र को अंतरिक्ष में भेजेगा।

- यह महिला रोबोट अंतरिक्ष में इंसानों की तरह काम करेगी और जीवन प्रणाली की संरचना पर नज़र रखेगी। **अतः कथन 2 सही है तथा कथन 1 सही नहीं है।**

प्रमुख बिंदु

- 'व्योममित्र' शब्द संस्कृत भाषा के दो शब्दों **'व्योम'** और **'मित्र'** से मिलकर बना है, जिसका अर्थ क्रमशः **अंतरिक्ष एवं मित्र** है।
- इसरो द्वारा विकसित अर्द्ध-मानव (Half-Humanoid) का यह प्रोटोटाइप (Prototype) एक महिला रोबोट है।
- इसे हाफ-ह्यूमनॉइड (Half-Humanoid) इसलिये कहा जा रहा है क्योंकि इसके पैर नहीं हैं, यह सिर्फ आगे (Forward) और अगल-बगल (Sides) में झुक सकती है।
- व्योममित्र रोबोट को मानवीय गतिविधियों को समझने और उन पर प्रतिक्रिया देने के लिये सेंसर, कैमरा, स्पीकर, माइक्रोफोन और एक्चुएटर्स जैसी तकनीकी से सुसज्जित किया गया है।
- व्योममित्र के कैमरा, स्पीकर और माइक्रोफोन रोबोट में लगे सेंसर से नियंत्रित होते हैं।
- व्योममित्र इन यंत्रों से प्राप्त सूचनाओं का आकलन/अध्ययन करने तथा तत्पश्चात् इन सूचनाओं पर अपने स्पीकर और एक्चुएटर्स के माध्यम से बहुत ही कम समय में सटीक प्रतिक्रिया देने में सक्षम है।

50. SUTRA-PIC इंडिया कार्यक्रम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसका मुख्य उद्देश्य बायोफार्मा में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है।
    2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को इस कार्यक्रम का प्रभार सौंपा गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्र सरकार ने 'स्वदेशी' गायों पर शोध करने हेतु विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के नेतृत्व में SUTRA-PIC (Scientific Utilization through Research Augmentation- Prime Products from Indigenous Cows) नामक कार्यक्रम की योजना के लिये प्रस्ताव प्रस्तुत करने संबंधी प्रावधान किये हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत समता, सशक्तीकरण और विकास हेतु विज्ञान (SEED) नामक विभाग द्वारा इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाएगा। **अत: कथन 2 सही है।**

मुख्य बिंदु:

- इसे संचालित करने में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सहयोग किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसंधान संस्थानों, शिक्षाविदों, ग्रासरूट्स ऑर्गनाइजेशन के वैज्ञानिकों/शिक्षाविदों से परियोजना प्रस्ताव आमंत्रित किये गए हैं ताकि स्थानीय स्तर पर अनुसंधान विकास कार्य, प्रौद्योगिकी विकास और क्षमता निर्माण हो सके।

क्या है SUTRA-PIC कार्यक्रम?

SUTRA-PIC कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित पाँच थीम्स (Themes) के आधार पर प्रस्ताव रखे गए हैं-

- **स्वदेशी गायों की विशिष्टता (Uniqueness of Indigenous Cows):**
    - इस थीम के तहत एक प्रमुख उद्देश्य शुद्ध देशी गायों की विशिष्टता की व्यवस्थित वैज्ञानिक जाँच करना है।
- **स्वदेशी गायों से चिकित्सा और स्वास्थ्य के लिये प्रमुख उत्पाद प्राप्त करना (Prime-products from Indigenous Cows for Medicine and Health):**

- इस थीम के अंतर्गत ऐसे अनुसंधान प्रस्ताव रखे गए हैं जिनके अंतर्गत केमिकल प्रोफाइलिंग (Chemical Profiling) तथा ऐसे जैव सक्रिय सिद्धांतों की जाँच की जाएगी जो कि एंटीकैंसर दवाओं और एंटीबॉडीज़ की संख्या को बढ़ाने में सक्षम हैं तथा आधुनिक दृष्टिकोण से देशी गाय के प्रमुख उत्पादों के औषधीय गुणों के संबंध में अनुसंधान किया जाएगा।

- **कृषि अनुप्रयोगों के लिये देशी गायों से प्रमुख उत्पाद प्राप्त करना (Prime-products from Indigenous Cows for Agricultural Applications):**
  - इस थीम के अंतर्गत मुख्य उत्पादों की भूमिका की वैज्ञानिक जाँच करने, पौधों की वृद्धि, मृदा स्वास्थ्य और पादप प्रणाली में प्रतिरक्षा प्रदान करने वाली देशी गायों, कृषि में जैविक खाद एवं जैव कीटनाशक के रूप में उसके उपयोग संबंधी अनुसंधान का प्रस्ताव रखा गया है।
- **खाद्य और पोषण के लिये देशी गायों से प्रमुख उत्पाद प्राप्त करना (Prime-products from Indigenous Cows for Food and Nutrition):**
  - इस थीम के तहत भारतीय देशी गायों से प्राप्त दूध और दुग्ध उत्पादों के गुणों तथा उनकी शुद्धता पर वैज्ञानिक अनुसंधान करने संबंधी प्रस्ताव रखा गया है।
  - इसके अंतर्गत पारंपरिक तरीकों से गायों की देशी नस्लों से तैयार दही और घी के पोषण और चिकित्सीय गुणों पर वैज्ञानिक शोध करने के संबंध में भी प्रस्ताव रखा गया है।
  - घी की गुणवत्ता को प्रमाणित करने के लिये जैव/रासायनिक मार्का की पहचान करने के संबंध में भी प्रस्ताव रखा गया है।
- **स्वदेशी गायों पर आधारित उपयोगी वस्तुओं से संबंधित प्रमुख उत्पाद प्राप्त करना: (Prime-products from indigenous cows-based utility items):**
  - इस विषय के तहत देशी गायों के प्रमुख घटकों से प्राप्त उपयोगी उत्पादों को प्रभावी, आर्थिक और पर्यावरण के अनुकूल तैयार करने के उद्देश्य से प्रस्ताव रखा गया है।

51. 1878 के वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह अधिनियम भारतीय भाषा में प्रकाशित होने वाले समाचार-पत्रों के खिलाफ था।
    2. इस अधिनियम का उद्देश्य राजद्रोही सामग्री के मुद्रण और प्रसार को नियंत्रित करना था।
    3. इसमें मजिस्ट्रेट की कार्रवाई के विरुद्ध किसी न्यायालय में कोई अपील नहीं की जा सकती थी।

    उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

    a. केवल 2
    b. केवल 2 और 3
    c. केवल 1 और 2
    d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (देसी प्रेस अधिनियम), 1878 में लॉर्ड लिटन के वायसराय काल में पारित हुआ। यह केवल भारतीय भाषायी समाचार पत्रों के विरुद्ध निर्देशित था। **अत: कथन 1 सही है।**
- अधिनियम का उद्देश्य जनता के मन में ब्रिटिशों के विरुद्ध असंतोष भड़काने वाली राजद्रोह सामग्री के मुद्रण और प्रचार-प्रसार

को नियंत्रित करना था। **अत: कथन 2 सही है।**

- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट ने ज़िला दंडनायक को यह अधिकार प्रदान किया कि वह किसी समाचार पत्र के मुद्रक या प्रकाशक को अनुबंध का आदेश दे सकता है कि वह शपथ ले कि वह ऐसी किसी भी सामग्री को प्रकाशित नहीं करेगा जिससे विभिन्न धर्मों, जातियों, नस्लों, आदि के बीच द्वेष फैले। यदि ऐसा होता है तो उनके द्वारा जमा की गई राशि जब्त हो सकती थी और प्रेस भी जब्त किया जा सकता था। इसके अलावा दंडनायकों की कार्रवाई को अंतिम माना गया था और इस संबंध में न्यायालय में कोई अपील नहीं की जा सकती थी। **अत: कथन 3 सही है।**
- प्रकाशक स्थानीय समाचार पत्र सरकारी निरीक्षक (सेंसर) के पास मुद्रित होने वाली सामग्री पूर्व में ही जमा कराकर अधिनियम के कार्यान्वयन से छूट पा सकता था।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट के अंतर्गत सोम प्रकाश, भारत, मिहिर, ढाका प्रकाश और समाचार के विरुद्ध कार्यवाही शुरू की गई थी।

52. रॉलेट एक्ट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसमें राजनीतिक कार्यकर्त्ताओं को बिना मुकदमे और सुनवाई के जेल में डालने का प्रावधान था।
    2. इस अधिनियम का उद्देश्य भारतीय रक्षा अधिनियम के दमनकारी प्रावधानों को स्थायी कानून द्वारा प्रतिस्थापित करना था।
    3. होम रूल लीग के सदस्यों ने इसका विरोध किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- रॉलेट एक्ट (1919) आधिकारिक तौर पर अराजक व क्रांतिकारी अपराध अधिनियम के रूप में जाना जाता है जिसका नेतृत्व ब्रिटिश न्यायाधीश सर सिडनी रॉलेट ने किया था। इस अधिनियम का उद्देश्य भारतीयों की 'राजद्रोही साजिशों' को नियंत्रित करना था। इस अधिनियम द्वारा राजनीतिक कार्यकर्त्ताओं पर बिना मुकदमें और बिना सुनवाई के उन्हें कारावास में डालने की अनुमति प्रदान की गई थी। **अत: कथन 1 सही है।**
- सरकार का उद्देश्य युद्धकालीन भारत रक्षा अधिनियम (1915) के दमनकारी प्रावधानों को एक स्थायी कानून से प्रतिस्थापित करना था। इस प्रकार अभिव्यक्ति और सम्मेलन की स्वतंत्रता पर युद्धकालीन प्रतिबंधों को पुन: लागू करना था। **अत: कथन 2 सही है।**
- संवैधानिक विरोध के विफल होने पर गांधीजी आगे आए और सत्याग्रह शुरू करने का सुझाव रखा। एक सत्याग्रह सभा का गठन किया गया और सरकार से अपना असंतोष व्यक्त करने के प्रति अधिक मुखर होमरूल लीग के युवा सदस्य इससे बड़ी संख्या में जुड़े। होमरूल लीग के अन्य सदस्यों का पता पुरानी सूचियों से निकालकर उनसे संपर्क स्थापित किया गया और प्रचार शुरू किया गया। इस प्रकार होमरूल लीग के सदस्यों द्वारा रॉलेट एक्ट का विरोध किया गया। **अत: कथन 3 सही है।**

53. 20वीं शताब्दी की शुरुआत में घटित एका आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. यह मुख्यत: एक कृषक आंदोलन था जिसका उद्देश्य ज़मींदारी प्रणाली को खत्म करना था।
    2. कॉन्ग्रेस और खिलाफत नेताओं ने आंदोलन को शुरुआती दौर में बल प्रदान किया।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1

b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- हरदोई, बहराइच और अवध के सीतापुर ज़िले में चलने वाला एका आंदोलन, मुख्यत: एक किसान आंदोलन था, यद्यपि इसने ज़मींदार प्रणाली को समाप्त करने की किसी भी मांग का प्रतिनिधित्व नहीं किया। इसमें मुख्य मांग यह थी कि ज़मींदार अवैध वसूली न करें और मनमाने ढंग से लगान न बढ़ाएँ। वस्तुत:, एका आंदोलन में जुड़ने वाले किसानों की शपथ में यह भी शामिल था कि वे नियमित रूप से लगान का भुगतान करेंगे। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- कॉन्ग्रेस तथा खिलाफत के नेताओं ने इसका समर्थन किया और उन्होंने आंदोलन को आरंभिक बल प्रदान किया। आंदोलन का मुख्य कारण अधिक लगान था, जो आम तौर पर कुछ क्षेत्रों में दर्ज किये गए लगान से भी 50% अधिक था। ठेकेदारों (जिनकी ज़िम्मेदारी लगान एकत्र करने और साझा करने की थी) द्वारा किये गए दमन ने भी इस आंदोलन में योगदान दिया। **अत: कथन 2 सही है।**
- आरंभिक किसान सभा आंदोलन लगभग पूरी तरह से काश्तकार किसानों पर आधारित था, जबकि दूसरी तरफ एका आंदोलन में कई छोटे ज़मींदार भी शामिल थे, जो सरकार द्वारा लागू किये गए भारी भू-राजस्व से अत्यंत निराश थे।

54. स्वतंत्रता पूर्व अवधि के दौरान आयोजित तीन गोलमेज सम्मेलनों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. महात्मा गांधी तथा अन्य कॉन्ग्रेस नेताओं ने तीनों सम्मेलनों में भाग लिया।
2. रैमसे मैकडोनाल्ड ने दूसरे गोलमेज सम्मेलन की समाप्ति पर 'सांप्रदायिक निर्णय' की घोषणा की।
3. तीसरे गोलमेज सम्मेलन की समाप्ति पर अंग्रेज़ों ने श्वेत-पत्र जारी किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. 1, 2 और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 2
d. केवल 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत में संवैधानिक समस्याओं को हल करने के लिये ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैमसे मैकडोनाल्ड ने लंदन में गोलमेज सम्मेलन बुलाया।
- भारतीय गोलमेज सम्मेलन का पहला सत्र 12 नवंबर, 1930 और 19 जनवरी, 1931 के बीच आयोजित किया गया था। इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री रामसे मैकडोनाल्ड की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था।
- प्रथम सम्मेलन से पहले, महात्मा गांधी ने भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की ओर से सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया था। परिणामस्वरूप, गांधीजी समेत कॉन्ग्रेस के कई नेता जेल में डाल दिये गए थे।
- कॉन्ग्रेस और गांधीजी ने प्रथम सम्मेलन में भाग नहीं लिया,लेकिन अन्य सभी भारतीय दलों के प्रतिनिधियों ने और कई देशी शासकों ने इसमें भाग लिया था। **गांधीजी और कॉन्ग्रेस के नेताओं ने दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया। हालाँकि तीसरे सम्मेलन में पुन: भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस और गांधीजी ने भाग नहीं लिया। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान, डॉ. अंबेडकर और जिन्ना ने अपनी जाति और समुदाय के लिये रियायतों की मांग की, जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री रामसे मैकडोनाल्ड ने दूसरे गोलमेज सम्मेलन की समाप्ति के बाद 'सांप्रदायिक पंचाट या कम्युनल अवार्ड' की घोषणा की।
- 1932 के कम्युनल अवार्ड में वंचित वर्गों के लिये पृथक निर्वाचक मंडल और सीटों के

आरक्षण की व्यवस्था की गई। **अत: कथन 2 सही है।**

- तृतीय गोलमेज सम्मेलन 1932 में आयोजित किया गया था। तृतीय गोलमेज सम्मेलन के बाद, अंग्रेज़ों द्वारा श्वेत पत्र जारी किया गया था, जिसके आधार पर भारत सरकार अधिनियम, 1935 पारित किया गया था। **अत: कथन 3 सही है।**

55. इंडियन सोशल कॉन्फ्रेंस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह उसी व्यक्ति द्वारा स्थापित किया गया था जो भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस का एक संस्थापक सदस्य भी था।
    2. इसने अंतर्जातीय विवाह की वकालत की तथा बहुविवाह का विरोध किया।
    3. इसने बाल विवाह के खिलाफ प्रतिज्ञा हेतु लोगों को प्रेरित करने के लिये प्रतिज्ञा आंदोलन शुरू किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- इंडियन सोशल कॉन्फ्रेंस या भारतीय सामाजिक सम्मेलन की स्थापना **एम.जी. रानाडे और रघुनाथ राव ने की।** वर्ष 1887 में मद्रास सम्मेलन से इसका पहला सत्र आयोजित हुआ और यह भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के सत्र आयोजन के समय ही उसी आयोजन स्थल पर वार्षिक रूप से आयोजित होता था। **एम.जी. रानाडे और रघुनाथ राव भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के भी संस्थापक सदस्य थे। अत: कथन 1 सही है।**
- सम्मेलन ने अंतर्जातीय विवाह का समर्थन किया और बहुविवाह तथा कुलीनवाद का विरोध किया। इसने महत्त्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। **अत: कथन 2 सही है।**
- लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ लेने के लिये प्रेरित करने हेतु भारतीय सामाजिक सम्मेलन ने शपथ या प्रतिज्ञा आंदोलन (Pledge Movement) शुरू किया। **अत: कथन 3 सही है।**

56. वर्ष 1937 के प्रांतीय चुनावों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. पहली बार प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव भारत सरकार अधिनियम, 1935 के अंतर्गत आयोजित किये गए।
    2. मुस्लिम लीग को किसी भी प्रांत में पूर्ण बहुमत प्राप्त नहीं हुआ।
    3. संयुक्त प्रांत में कॉन्ग्रेस की मदद से मुस्लिम लीग ने एक संयुक्त सरकार बनाई।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारत शासन अधिनियम 1935 के अंतर्गत वर्ष 1937 में प्रांतीय चुनाव आयोजित किया गया। **अत: कथन 1 सही है।**
- इन चुनावों के दौरान केवल 10-12% जनता को मतदान का अधिकार प्राप्त था। कॉन्ग्रेस ने इन चुनावों में ग्यारह में से पाँच प्रांतों में बहुमत हासिल किया। बिहार, बॉम्बे, केंद्रीय प्रांत, मद्रास तथा उड़ीसा ऐसे प्रांत थे जहाँ कॉन्ग्रेस को पूर्ण बहुमत मिला।
- इन ग्यारह प्रांतों में से एक में भी मुस्लिम लीग को पूर्ण बहुमत प्राप्त नहीं हुआ। वह बुरी तरह विफल रही तथा इस चुनाव में पड़े कुल मुस्लिम मतों का केवल 4.4% ही उसे प्राप्त हुए।
- मुस्लिम लीग उत्तर पश्चिमी सीमांत प्रांत (NWFP) में एक भी सीट जीतने में नाकाम रही। यह पंजाब में कुल 84 आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में से केवल 2 पर जीत हासिल कर सकी तथा इसे सिंध में कुल 33 में से तीन निर्वाचन क्षेत्रों में विजय हासिल हुई। **अत: कथन 2 सही है।**

- संयुक्त प्रांत में मुस्लिम लीग कॉन्ग्रेस के साथ संयुक्त सरकार बनाने की इच्छुक थी लेकिन कॉन्ग्रेस ने मुस्लिम लीग के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया क्योंकि उसे पहले ही प्रांत में पूर्ण बहुमत हासिल हो चुका था। संयुक्त प्रांत में कॉन्ग्रेस ने बहुमत की सरकार बनाई। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

57. दांडी सत्याग्रह के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. दांडी सत्याग्रह में महिलाओं ने भाग नहीं लिया।
    2. यह औपनिवेशिक भारत में अहिंसक सविनय अवज्ञा का प्रदर्शन था।
    3. इस घटना को भारतीय प्रेस द्वारा प्रकाशित किया गया परंतु विदेशी प्रेस द्वारा इसकी उपेक्षा की गई।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. 1, 2 और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 2
d. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर:(c)

व्याख्या:

- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का सविनय अवज्ञा आंदोलन 12 मार्च, 1930 को दांडी मार्च से शुरू हुआ। महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी तक पैदल 386 किलोमीटर की दूरी तय की।
- इसके बाद 5 अप्रैल को महात्मा गांधी ने अरब सागर स्थित दांडी के तटीय शहर में नमक कानून को तोड़ा। दांडी मार्च को नमक सत्याग्रह या दांडी सत्याग्रह के नाम से भी जाना जाता है।
- आरंभ में सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत गांधीजी की विचारधारा और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी के बिना ही कार्यान्वित होनी थी।
    - लेकिन जिन महिलाओं पर पहले से ही समान अधिकारों की नई अवधारणा का प्रभाव था, उन्होंने इसके विरुद्ध नाराजगी जताईं। उन्होंने बाद में आंदोलन में भाग लिया।
        - वास्तव में, यह ऐसी पहली राष्ट्रवादी गतिविधि बन गई जिसमें महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- आंदोलन के प्रति महिलाओं का दृष्टिकोण इस आंदोलन की सबसे प्रमुख विशेषता थी। इसमें बड़े परिवार की, उच्च बौद्धिक स्तर की मध्यम और उच्च वर्ग की भारतीय महिलाओं द्वारा भाग लिया गया था।
- गांधीजी के नेतृत्व में दांडी मार्च को औपनिवेशिक भारत का अहिंसक सविनय अवज्ञा का उदाहरण माना जाता है क्योंकि इसमें विरोध के लिये अहिंसक तरीकों को अपनाया गया था। **अत: कथन 2 सही है।**
- दांडी सत्याग्रह या नमक मार्च को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली और इसने अपने अहिंसक स्वभाव से अंग्रेज़ों को हिलाकर रख दिया। भारतीय प्रेस के साथ ही यूरोपीय और अमेरिकी प्रेस द्वारा भी इसको व्यापक रूप से प्रकाशित किया गया था। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

58. निम्नलिखित में से कौन-सी भारत सरकार अधिनियम, 1935 की विशेषता *नहीं* है?

a. केंद्र में द्वैध शासन
b. अखिल भारतीय संघ की स्थापना
c. प्रांतीय स्वायत्तता
d. प्रांतों में द्वैध शासन

उत्तर: (d)

व्याख्या:

भारत शासन अधिनियम, 1935

- यह अधिनियम भारत में पूर्ण उत्तरदायी सरकार के गठन में एक मील का पत्थर साबित हुआ। यह एक लंबा और विस्तृत दस्तावेज़ था, जिसमें 321 धाराएँ और 10 अनुसूचियाँ थीं।

अधिनियम की विशेषताएँ

- इसने अखिल भारतीय संघ की स्थापना की, जिसमें राज्य और रियासतों को एक इकाई की तरह माना गया।

- अधिनियम ने केंद्र और इकाइयों के बीच तीन सूचियों-संघीय सूची (59 विषय), राज्य सूची (54 विषय) और समवर्ती सूची (दोनों के लिये 36 विषय) के आधार पर शक्तियों का बँटवारा किया।
- अवशिष्ट शक्तियाँ वायसराय को दे दी गईं। हालाँकि यह संघीय व्यवस्था कभी अस्तित्त्व में नहीं आई क्योंकि देसी रियासतों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया था।

- इसने प्रांतों में द्वैध शासन व्यवस्था समाप्त कर दी तथा **प्रांतीय स्वायत्तता की शुरुआत की।** राज्यों को अपने दायरे में रह कर स्वायत्त तरीके से तीन पृथक् क्षेत्रों में शासन का अधिकार दिया गया।
  - इसके अतिरिक्त अधिनियम ने राज्यों में उत्तरदायी सरकार की स्थापना की। यानि गवर्नर को राज्य विधान परिषदों के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों की सलाह पर काम करना आवश्यक था। **यह व्यवस्था 1937 में शुरू की गई और 1939 में इसे समाप्त कर दिया गया। अत: विकल्प (d) सही है।**
- इसके केंद्र में द्वैध शासन प्रणाली का शुभारंभ किया। परिणामत: संघीय विषयों को स्थानांतरित और आरक्षित विषयों में विभक्त करना पड़ा। हालाँकि यह प्रावधान कभी लागू नहीं हो सका।
- इसने 11 राज्यों में से छह में द्विसदनीय व्यवस्था प्रारंभ की। इस प्रकार बंगाल, बंबई, मद्रास, बिहार, संयुक्त प्रांत और असम में द्विसदनीय विधान परिषद् और विधानसभा बन गईं। हालाँकि इन पर कई प्रकार के प्रतिबंध थे।
- इसने दलित जातियों, महिलाओं और मज़दूर वर्ग के लिये अलग से निर्वाचन की व्यवस्था कर सांप्रदायिक प्रतिनिधित्त्व व्यवस्था का विस्तार किया।
- इसने भारत शासन अधिनियम, 1858 द्वारा स्थापित भारत परिषद को समाप्त कर दिया।
- इसने मताधिकार का विस्तार किया। लगभग दस प्रतिशत जनसंख्या को मताधिकार दिया गया।
- इसके अंतर्गत देश की मुद्रा और साख पर नियंत्रण के लिये भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना की गई।
- इसने न केवल संघीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की बल्कि प्रांतीय सेवा आयोग और दो या अधिक राज्यों के लिये संयुक्त सेवा आयोग की स्थापना भी की।
- इसके तहत वर्ष 1937 में संघीय न्यायालय की स्थापना हुई।

59. नागोबा जतारा (Nagoba Jatara) उत्सव किस राज्य से संबंधित है?

a. ओडिशा से
b. आंध्र प्रदेश से
c. तेलंगाना से
d. पश्चिम बंगाल से

उत्तर: (c)

व्याख्या

- नागोबा जातरा **तेलंगाना** के केसलापुर गाँव में आयोजित एक जनजातीय उत्सव है। यह आदिवासी राज गोंड और परधान जनजातियों के मेसराम कबीले की बोइगुट्टा शाखा का एक विशाल धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

गोंड जनजाति

- गोंड विश्व के सबसे बड़े जनजातीय समूहों में से एक हैं।
- ये ज़्यादातर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में निवास करते हैं।
- इसे **अनुसूचित जनजाति** के रूप में अधिसूचित किया गया है।

परधान जनजाति

- **परधान** जनजाति को गोंड जनजाति की अधीनस्थ शाखा माना जाता है और

पारंपरिक रूप से ये गोंडों के लिये भाट की तरह कार्य करते हैं। इनके द्वारा विभिन्न त्योहारों, समारोहों एवं मेलों में पौराणिक कथाओं, लोक कथाओं तथा देवी-देवताओं के गीतों का पाठ किया जाता है, जिसके लिये उन्हें नकद या वस्तुओं के रूप में भुगतान किया जाता है।

60. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. मेसोथेलियोमा कैंसर का एक रूप है जो प्रतिरक्षा प्रणाली की संक्रमण से रक्षा करने वाली कोशिकाओं में होता है।
    2. एस्बेस्टस (Asbestos) मेसोथेलियोमा के लिये प्राथमिक जोखिम कारक है।
    3. एस्बेस्टस टैल्कम विनिर्माण का एक रासायनिक उप-उत्पाद है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही *नहीं* हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या

- मेसोथेलियोमा कैंसर का एक आक्रामक व घातक रूप है जो आंतरिक अंगों (मेसोथेलियम) के ऊतकों की पतली सुरक्षात्मक परत में होता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- मेसोथेलियम का कौन-सा हिस्सा प्रभावित होता है, इसके आधार पर मेसोथेलियोमा को विभिन्न प्रकारों जैसे फुफ्फुस मेसोथेलियोमा, पेरिटोनियल मेसोथेलियोमा, पेरिकार्डियल मेसोथेलियोमा आदि में विभाजित किया जाता है।
- एस्बेस्टस मेसोथेलियोमा का प्रमुख जोखिम कारक है और एस्बेस्टस के प्रति अनावरण को कम कर इस रोग के खतरे को कम किया जा सकता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- एस्बेस्टस एक खनिज है जो पर्यावरण में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। एस्बेस्टस फाइबर मजबूत और ऊष्मा प्रतिरोधी होते हैं, जो इसे इन्सुलेशन, ब्रेक निर्माण, फर्श निर्माण और कई अन्य विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों के लिये उपयोगी बनाता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

61. 'भरतनाट्यम' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह ईश्वर के आशीर्वाद के लिये की जाने वाली स्तुति 'मंगलम्' से शुरू होता है।
    2. यह तमिलनाडु की शास्त्रीय नृत्य कला है।
    3. उन्नीसवीं शताब्दी की 'तंजौर चौकड़ी' (Tanjore Quartet) इससे संबंधित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही *नहीं* है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भरतनाट्यम तमिलनाडु की दो हज़ार वर्ष पुरानी शास्त्रीय नृत्य कला है। **अत: कथन 2 सही है।**
- नंदिकेश्वर रचित 'अभिनयदर्पण' को भरतनाट्यम नृत्य की तकनीक तथा शरीर की मुद्रा संबंधी पाठ्य-सामग्री के मुख्य स्रोतों में से एक माना गया है।
- भरतनाट्यम **'एकाहार्य'** के तौर पर जाना जाता है, जिसमें एक नर्तक एक ही नृत्य के दौरान कई भूमिकाएँ निभाता है।
- भरतनाट्यम की प्रस्तुति **'तिल्लाना'** से समाप्त होती है, जिसका उद्गम हिंदुस्तानी संगीत के 'तराना' में है।
- एक प्रस्तुति का समापन अच्छे से तैयार की गई लयबद्ध रेखाओं की शृंखला से पहुँचे शिखर पर होता है। ईश्वर के आशीर्वाद के लिये की जाने वाली स्तुति **'मंगलम्'** के साथ प्रस्तुति का समापन होता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- साथ देने वाले कलाकार समूह में एक गायक, एक मृदंगम वादक, वायलिन वादक या वीणा वादक, एक बाँसुरी वादक और एक मंजीरा वादक शामिल होते हैं।
- जो व्यक्ति नृत्य के लिये कविता-पाठ करता है, उसे नट्टुवनार कहा जाता है।

- **'तंजौर चौकड़ी'** के नाम से सुप्रसिद्ध तंजौर के चार भाइयों चिन्नैई, पोन्नई, शिवानंदम तथा वडिवेलु ने 19वीं शताब्दी में लोक नृत्य भरतनाट्यम को सुव्यवस्थित प्रस्तुति के रूप में संहिताबद्ध किया। वे तंजौर के वृहदेश्वर मंदिर वंशावली से संबंध रखते थे। उन्हें राजा सरफोजी द्वारा संरक्षण प्रदान किया गया था। इस प्रकार यह भरतनाट्यम नृत्य से संबंधित है। **अत: कथन 3 सही है।**

62. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. नाट्य-नृत्य रूप 'यक्षगान' एवं 'थेय्यम' में स्थानीय नायकों, राजाओं और देवताओं की स्तुति की जाती हैं।
    2. 'कलरीपायट्टु' और 'छऊ' मार्शल आर्ट से निकली हुई विशेष नृत्य कलाएँ हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पूरे वर्ष त्योहार, मेले, सभाएँ, अनुष्ठान तथा प्रार्थनाएँ होती हैं। इन अवसरों के दौरान पारंपरिक रंगमंच-कलाएँ प्रस्तुत की जाती हैं।
- वे आम आदमी के सामाजिक दृष्टिकोण तथा धारणाओं को प्रतिबिंबित करते हैं। इस सामाजिक चित्रण में व्यक्ति की भूमिका भी होती है जिसे उचित महत्त्व दिया जाता है।
- नृत्य-नाटक या लोक रंगमंच के कई रूप हैं, जैसे- राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार की **नौटंकी**, गुजरात व राजस्थान की **भवाई**, महाराष्ट्र का **तमाशा** और बंगाल का **जातरा**।
- कर्नाटक का **यक्षगान** और केरल का **थेय्यम** (Theyyam) भी नाट्य-नृत्य के प्रभावशाली रूपों में से हैं। उपर्युक्त सभी नृत्य कलाएँ स्थानीय नायकों, राजाओं और देवताओं का गुणगान करती हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- मार्शल आर्ट कला-रूप को पूरे देश में अर्द्ध-नृत्य कला के रूप में शैलीबद्ध किया गया है।
- उत्तर-पूर्वी पहाड़ी जनजातियों के कुछ मार्शल नृत्य, महाराष्ट्र का **लेजिम**, केरल का **कलरीपायट्टु** और ओडिशा, पश्चिमी बंगाल व बिहार का बेहद सुंदर मुखौटों वाला **छऊ** नृत्य इनमें से कुछ उल्लेखनीय मार्शल नृत्य रूप हैं। अत: कथन 2 सही है।

63. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. भरत मुनि का 'नाट्यशास्त्र' केवल नाट्य कला से संबंधित है।
    2. जयदेव कृत 'गीत-गोविन्द' राधा और कृष्ण के प्रेम पर आधारित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भरत मुनि का 'नाट्यशास्त्र' भारतीय संगीत की ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसका रचनाकाल दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व और दूसरी ईसवी के मध्य में माना जाता है।
- 'नाट्यशास्त्र' एक व्यापक रचना है जो मुख्यत: नाट्यकला से संबंधित है, लेकिन इसके कुछ अध्याय संगीत के बारे में भी हैं, जो संगीत के स्केल्स (स्तर), तराने, ताल और वाद्ययंत्रों के बारे में जानकारी देते हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- प्राचीन समय से ही संगीत रूपों को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है। ये हैं- अनिबद्ध और निबद्ध संगीत।
- अनिबद्ध संगीत वह है जो सार्थक शब्दों और ताल द्वारा बंधा हुआ नहीं है। यह एक मुक्त तात्कालिक प्रदर्शन है। इसका सर्वोत्कृष्ट रूप 'आलाप' है।
- निबद्ध यानी संगीत का तालबद्ध और बंधा हुआ रूप। निबद्ध संगीत को सबसे पुराना उपलब्ध उदाहरण 'प्रबंध गीति' है। वास्तव में किसी भी निबद्ध गीत या संगीतीय रचना

(कंपोजिशन) को प्रकट करने के लिये प्राय: 'प्रबंध' शब्द का प्रयोग किया जाता है। वे निश्चित रागों और तालों पर निर्धारित थे।

- संस्कृत में गीतों और छंदों के साथ रची गई जयदेव की रचना 'गीत गोविन्द', संगीत की प्रबंध गीति में से एक है।
    - इसमें राधा और कृष्ण के प्रेम के हर पक्ष-उत्कंठा, ईर्ष्या, आशा, निराशा, व्रोध, मिलाप एवं आनंद का वर्णन मिलता है। **अत: कथन 2 सही है।**
    - **गीत गोविन्द में** अष्टपदी गीत हैं यानी हर गीत में आठ दोहे (couplets) होते हैं।

64. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में पाल चित्रकला शैली विकसित हुई?

a. मगध क्षेत्र
b. दक्कन क्षेत्र
c. कच्छ क्षेत्र
d. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- पाल राजवंश, 750 ईसा पूर्व शासन में आया। पाल चित्रकला शैली सर्वप्रथम बौद्ध धर्म के जन्म-स्थल, दक्षिणी **बिहार के मगध क्षेत्र** में विकसित हुई। **अत: विकल्प (a) सही है।**
- पाल राजवंश के प्रारंभिक काल के अधिकांश अवशेष बौद्ध धर्म से संबंधित हैं। पाल शासनकाल के दौरान तीव्र धार्मिक गतिविधि के कारण कई धार्मिक संरचनाएँ बनाई गई थी या उनका नवीकरण किया गया था।
- इस दौरान पहले से स्थापित कई मठ और धार्मिक स्थल महत्त्वपूर्ण स्थलों के रूप में उभरे। यद्यपि पाल चित्रकला के पहले दो सौ या उससे अधिक वर्षों तक बौद्ध कला का प्रभुत्व था, तथापि उस चरण में कुछ मात्रा में हिंदू अवशेष भी देखने को मिलते हैं। पाल राजवंश के अंतिम दो सौ वर्षों के दौरान तो इसका प्रभुत्व स्पष्ट रूप से दिखता है।

65. वीणा और संतूर निम्नलिखित वाद्ययंत्रों की किस श्रेणी में आते हैं?

a. तत वाद्य
b. सुषिर वाद्य
c. अवनद्ध वाद्य
d. घन वाद्य

उत्तर: (a)

व्याख्या:

भरत मुनि द्वारा संकलित 'नाट्यशास्त्र' (200 ई.पू. से 200 ई.) में संगीत वाद्ययंत्रों को ध्वनि उत्पन्न करने के आधार पर चार मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया गया है:

1. तत वाद्य या कोर्डोफोन्स- तारयुक्त वाद्ययंत्र
    - तत वाद्य, वाद्ययंत्रों की एक श्रेणी है जिसमें तारों में कंपन द्वारा संगीतमय ध्वनि उत्पन्न की जाती है। ये कंपन तार को खींचकर या कमान के प्रयोग (Bowing) से पैदा किये जाते हैं। उदाहरणत: वीणा, संतूर, सारंगी, रावणहस्तवीणा, वायलिन आदि। **अत: विकल्प (a) सही है।**
2. सुषिर वाद्य या एरोफोन्स- वायु वाद्ययंत्र
    - सुषिर वाद्य श्रेणी में, ध्वनि खोखले स्तंभ में हवा फुँकने से उत्पन्न होती है। इन उपकरणों में से सबसे प्रसिद्ध बाँसुरी है।
3. अवनद्ध वाद्य या मेम्ब्रेनोफोन्स- आघात (ताल) वाद्ययंत्र
    - अवनद्ध वाद्य श्रेणी के उपकरणों में जानवर की मृतखाल, जिसे एक मिट्टी या धातु के बर्तन या लकड़ी के बैरल या फ्रेम में फैलाया जाता है, पर थाप मारकर ध्वनि उत्पन्न कराई जाती है। उदाहरण के लिये, तबला, मृदंगम आदि।
4. घन वाद्य या इडियोफोन्स
    - ऐसे ठोस वाद्ययंत्र जिन्हें सुर में लाने (ट्यूनिंग) की ज़रूरत नहीं होती।
    - मनुष्य द्वारा आविष्कार किये गए सबसे शुरुआती वाद्ययंत्रों को घन वाद्य कहा जाता है। वे बजने में मुख्य रूप से लयबद्ध होते हैं और लोक तथा जनजातीय संगीत एवं नृत्य में साथ देने के लिये सबसे उपयुक्त हैं। उदाहरण के लिये, झाँज वाद्य।

66. भारतीय नाट्य रूपों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कर्नाटक का पारंपरिक रंगमंच रूप 'यक्षगान', पौराणिक कथाओं और पुराणों पर आधारित है।
2. 'तमाशा' नाटक में नायिका नृत्य मुद्राओं की मुख्य प्रतिपादक होती है।
3. 'दशावतार' उत्तर-पूर्व भारत की एक विकसित नाट्य शैली है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

पारंपरिक नाट्य के विभिन्न रूप:

- कर्नाटक का पारंपरिक रंगमंच रूप 'यक्षगान', पौराणिक कथाओं तथा पुराणों पर आधारित है। इसका सुप्रसिद्ध प्रसंग महाभारत से है, उदाहरण- द्रौपदी स्वयंवर, सुभद्रा विवाह, इत्यादि। **अत: कथन 1 सही है।**
- 'तमाशा' महाराष्ट्र का पारंपरिक लोक नाट्य रूप है। यह गोंधल, जागरण और कीर्तन जैसे लोक नाट्य रूपों से विकसित हुआ है।
- 'तमाशा' में नायिका नृत्य प्रदर्शन की मुख्य प्रतिपादक होती है। उसे 'मुरकी' (Murki) कहा जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- 'दशावतार' में कलाकार संरक्षण और सृजन के देवता 'विष्णु' के दस अवतारों को व्यक्त करते हैं। दस अवतार हैं: मत्स्य (मछली), कूर्म (कछुआ), वराह (सूअर), नृसिंह (सिंह-मनुष्य), वामन (बौना), परशुराम, राम, कृष्ण (या बलराम), बुद्ध और कल्कि। विशिष्ट शृंगार के अलावा कलाकार लकड़ी और पेपरमैश (कागज़ की लुगदी) से बने हुए मुखौटे पहनते हैं।
- यह **कोंकण और गोवा क्षेत्र** का सबसे विकसित नाट्य रूप है, न कि उत्तर-पूर्व भारत का। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

67. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

कठपुतली के प्रकार	**उदाहरण**
1. धागा कठपुतली	कठपुतली
2. छाया कठपुतली	तोगलु गोम्बयेट्टा
3. छड़ कठपुतली	यमपुरी
4. दस्ताना कठपुतली	पावाकूथू

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1, 2 और 3
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- कठपुतली (पुतुल कला) ज़्यादातर महाकाव्य और किंवदंतियों पर आधारित होती है। देश के विभिन्न हिस्सों में कठपुतलियों की अपनी पहचान है। कठपुतलियों के चार अलग-अलग रूप हैं-
- **धागा कठपुतली (स्ट्रिंग पपेट):** धागे द्वारा जोड़े गए होने की वजह से इनके अंगों में लचीलापन मिलता है और इसीलिये यह कठपुतलियों में सबसे उत्कृष्ट है। राजस्थान, ओडिशा, कर्नाटक और तमिलनाडु कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ कठपुतली की यह शैली अधिक विकसित हुई है। इसके प्रकार हैं- **कठपुतली** (राजस्थान); **कुंधेई** (ओडिशा); **गोम्बायट्टा** (कर्नाटक); **बोम्लाट्टम** (तमिलनाडु) इत्यादि।
- **छाया कठपुतली:** छाया कठपुतलियाँ चपटी आकृति की होती हैं। ये चमड़े को काटकर बनाई जाती हैं, जिसे पारदर्शी बनाने के लिये संशोधित किया जाता है। छाया कठपुतलियों को पर्दे के पीछे प्रकाश के किसी तेज़ स्रोत से प्रदीप्त किया जाता है। प्रकाश और पर्दे के बीच तालमेल से पर्दे के सामने बैठने वाले दर्शकों के समक्ष छायाचित्र या रंगीन छाया बनती है।
    - छाया कठपुतलियों की यह परंपरा ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में प्रचलित है। इसके विभिन्न प्रकार हैं- **'तोगलु गोम्बयेट्टा' (कर्नाटक)**

'थोलू बोम्लाट्टम' (आंध्र प्रदेश), 'रावणछाया' (ओडिशा) इत्यादि।

- **छड़ कठपुतली:** ये दस्ताना कठपुतली के ही विस्तार हैं। प्राय: ये आकार में अधिक बड़ी होती हैं और छड़ की सहायता से प्रदर्शित की जाती हैं। पुतुल कला का यह रूप अब प्राय: पश्चिम बंगाल और ओड़िशा में ही प्रचलित है। इसके विभिन्न प्रकार हैं: **'पुतुल नाच' (पश्चिम बंगाल) 'यमपुरी' (बिहार)।**
- **दस्ताना कठपुतली:** दस्ताने कठपुतलियों को हथेली कठपुतलियों के रूप में भी जाना जाता है। इसका सिर कपड़े या लकड़ी से बने होते हैं, जिसमें दोनों हाथ गर्दन के नीचे से उभरते हैं। शेष आकृति में एक लंबी लहराती हुई स्कर्ट (घाघरा) होती है। इसका संचालन तकनीक सरल है। गतिविधियों को मानव हाथ द्वारा नियंत्रित किया जाता है। सिर में पहली उँगली डाली जाती है। बीच की उँगली और अँगूठे का प्रयोग कठपुतली की दो भुजाओं के रूप में किया जाता है। इसका प्रकार है- **पावाकोथु** (केरल)।

68. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. मुगल चित्रकला मुख्य रूप से धर्मनिरपेक्ष थी, जबकि मध्य भारत, राजस्थानी और पहाड़ी क्षेत्र में चित्रकला उस क्षेत्र के धर्म से गहन रूप से प्रभावित थी।
    2. बशोली नामक लघु चित्रकारी पहाड़ी चित्रकला शैली का एक अच्छा उदाहरण है।
    3. मुगलकालीन चित्रकला का उदय जहाँगीर के काल में हुआ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- मुगल चित्रकला मुख्य रूप से धर्मनिरपेक्ष थी जबकि मध्य भारत, राजस्थान और पहाड़ी क्षेत्रों आदि में यह भारतीय परंपराओं से प्रभावित थीं। यह भारतीय महाकाव्यों, पुराणों जैसे धार्मिक ग्रंथ, संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रेम काव्यों, भारतीय लोक-गीतों और संगीत विषयक रचनाओं आदि से प्रेरणा लेती प्रतीत होती है। वैष्णववाद, शैववाद और शाक्तवाद पंथों ने इन क्षेत्रों की चित्रकारी पर बहुत गहरा प्रभाव डाला है। **अत: कथन 1 सही है।**
- पहाड़ी क्षेत्र में वर्तमान हिमाचल प्रदेश, पंजाब के कुछ आस-पास के इलाके, जम्मू-कश्मीर का जम्मू और उत्तर प्रदेश का गढ़वाल क्षेत्र शामिल हैं।
- बशोली नामक लघु चित्रकला, पहाड़ी चित्रकला शैली का एक अच्छा उदाहरण है। **अत: कथन 2 सही है।**
- मुगलकालीन चित्रकला की उत्पत्ति भारतीय चित्रकला के इतिहास में उल्लेखनीय घटना मानी जाती है।
    - मुगल साम्राज्य की स्थापना के साथ, 1560 ई. में अकबर के शासनकाल में मुगलकालीन चित्रकला का उदय हुआ।
    - मुगल शैली का विकास चित्रकला की स्वदेशी भारतीय शैली और फारसी चित्रकला की सफाविद शैली के शुभ संश्लेषण के परिणामस्वरूप हुआ।
    - मुगल शैली को प्रकृति के नज़दीकी अवलोकन तथा सूक्ष्म एवं नाजुक चित्रण के आधार पर पूरक प्राकृतिकता द्वारा चिह्नित किया जाता है। यह मुख्य रूप से राजशाही तथा धर्मनिरपेक्ष है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

69. अशोक के शासनकाल में चट्टान काटकर बनाई गई 'लोमश ऋषि गुफा' समर्पित है:

a. बौद्ध धर्म को
b. जैन धर्म को
c. आजीवक संप्रदाय को
d. हिंदू संप्रदाय को

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- बिहार की 'बराबर' पहाड़ियों में लोमश ऋषि गुफा सम्राट अशोक के समय में आजीवक संप्रदाय के लिये चट्टान काटकर बनाई गई थी। **अत: विकल्प (c) सही है।**
- यह लकड़ी पर अंकित हुई पूर्वाकृतियों को चट्टानों पर उकेरने की विकासात्मक प्रथा को दर्शाने वाला उत्कृष्ट उदाहरण है। इसका निर्माण-काल तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व है।
- लकड़ी पर उभारी गई हाथियों की आकृति की समकालीन वास्तुकला का अनुकरण पत्थर पर किया गया है। इसी प्रकार, बाँस से बनने वाली जाली का अनुकरण भी पत्थर पर किया गया है।
- गुफा '55' × 22' × 20' माप की है जो एक चट्टान को काटकर बनाई गई है। इसका प्रवेशद्वार झोपड़ी के सदृश लेकिन पत्थर का बना हुआ है और छत का छोर तिरछी लकड़ियों से बना है। इन्हें सहारा देने के लिये आड़ी बल्लियाँ लगाई गई हैं जिनके सिरे बाहर निकले हुए दिखाई देते हैं।

70. मध्यकालीन भारत में शहरों में निर्मित 'सराय' नामक भवनों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही *नहीं* है?

a. ये विदेशी यात्रियों को आश्रय प्रदान करते थे।
b. ये विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को जोड़ने में मदद करते थे।
c. ये व्यापारियों और सौदागरों के लिये सुरक्षित विश्राम घर के रूप में कार्य करते थे।
d. इन्हें शाही वस्तुओं के भंडार के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

मध्यकालीन भारत के सराय

- ये भारतीय और विदेशी यात्रियों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों तथा सौदागरों आदि के लिये विश्राम स्थल और अस्थायी आवास के उद्देश्य से बनाए जाते थे।
- ये भारत उपमहाद्वीप में कई स्थानों पर और शहरों के चारों ओर बनाए गए थे।
- अधिकांशत:, ये एक साधारण वर्गाकार या आयताकार समतल भूमि पर बनाए गए थे।
- ये व्यापारियों और सौदागरों के लिये सुरक्षित विश्राम घर के रूप में प्रयोग में लाए जाते थे, जिससे व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलता था।
- ये सार्वजनिक क्षेत्र थे, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग आते थे।
- इन सरायों ने उस समय के लोगों के जीवन-स्तर एवं सांस्कृतिक विशेषताओं की विविध मान्यताओं तथा प्रवृत्तियों में एक-दूसरे के मध्य आदान-प्रदान, उन पर प्रभाव तथा मेल-जोल को बढ़ावा दिया।
- इनका प्रयोग शाही या सैन्य वस्तुओं के भंडारण के लिये नहीं किया जाता था। **अत: विकल्प (d) सही है।**

71. निम्नलिखित में से किस शासक के शासनकाल में मेगास्थनीज़ भारत आया था?

a. चंद्रगुप्त II
b. कुमारगुप्त I
c. चंद्रगुप्त मौर्य
d. समुद्रगुप्त

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- मेगास्थनीज़ यूनानी राजदूत थे, जिनको सेल्यूकस द्वारा चंद्रगुप्त मौर्य की सभा में भेजा गया था।
- वे मौर्यों की राजधानी पाटलिपुत्र में रहते थे तथा उन्होंने न केवल पाटलिपुत्र शहर के प्रशासन बल्कि पूरे मौर्य साम्राज्य के प्रशासन के ऊपर भी एक विवरण लिखा था।
- मेगास्थनीज़ का पूरा विवरण प्राप्त नहीं हो सका है, परंतु इसके उद्धरण बाद के कई यूनानी लेखकों की रचनाओं में मिलते हैं।
- विभिन्न लेखकों द्वारा उद्धरित इन विवरणों को एकत्रित करके 'इंडिका' नामक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया है। यह मौर्य कालीन प्रशासन, समाज और अर्थव्यवस्था पर महत्त्वपूर्ण प्रकाश डालता है। **अत: विकल्प (c) सही है।**

72. कन्नौज के लिये हुए त्रिपक्षीय संघर्ष के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह पाल, राष्ट्रकूट और प्रतिहारों के बीच लड़ा गया था।
2. इस संघर्ष में पाल शासक धर्मपाल को हराकर राष्ट्रकूट शासक ध्रुव ने कन्नौज पर कब्ज़ा कर लिया था।
3. अरब यात्री सुलेमान ने इन तीन साम्राज्यों के बीच हुए संघर्षों का वर्णन किया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 750 और 1000 ईस्वी के बीच उत्तर भारत तथा दक्कन में तीन बड़े राज्यों का उदय हुआ। ये थे- पाल, प्रतिहार और राष्ट्रकूट।
- पाल राजा गोपाल के बाद 770 ईस्वी में धर्मपाल ने इस राज्य के शासन की बागडोर सँभाली, जिसका शासनकाल पाल, प्रतिहार और राष्ट्रकूट के बीच हुए कन्नौज के नियंत्रण के लिये त्रिपक्षीय संघर्ष से चिह्नित किया जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- इस संघर्ष में राष्ट्रकूट शासक ध्रुव ने प्रतिहार शासक वत्सराज को पराजित किया, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिहार शासक को राजस्थान के रेगिस्तान में शरण लेने के लिये मजबूर होना पड़ा।
- प्रतिहार को पराजित करने के बाद राष्ट्रकूट शासक ध्रुव, दक्कन लौट आए। इस कारण इस क्षेत्र में धर्मपाल के लिये संभावनाएँ उत्पन्न हुईं, जिसने अंतत: कन्नौज पर कब्जा कर लिया। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- 9वीं शताब्दी के मध्य में भारत आने वाले अरब यात्री सुलेमान ने इन तीन साम्राज्यों के बीच हुए संघर्षों का एक स्पष्ट विवरण प्रस्तुत किया है जिससे पालों की शक्ति की पुष्टि होती है। **अत: कथन 3 सही है।**

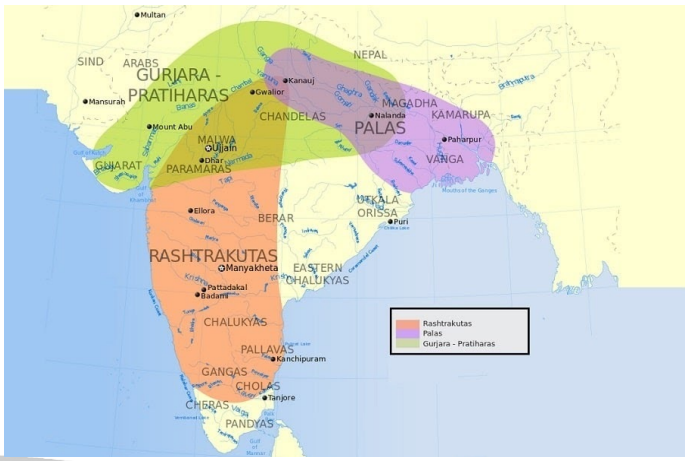

73. दिल्ली सल्तनत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. मुइज़ुद्दीन ने तराइन के युद्ध में तथा उत्तर भारत में तुर्की शासन स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
2. जैसलमेर के भट्टी राजपूतों के विरुद्ध एक विजय अभियान में कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु हो गई।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210) दिल्ली सल्तनत का संस्थापक और पहला शासक था।
- वह मुइज़ुद्दीन, जो मुहम्मद गौरी के नाम से प्रसिद्ध था, का पसंदीदा गुलाम था। मुइज़ुद्दीन ने तराईन के युद्ध में तथा उसके बाद के तुर्क-विजय अभियानों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्थानीय रईसों और अमीरों के समर्थन से वह 1206 में लाहौर के सिंहासन पर बैठा। **अत: कथन 1 सही है।**
- ऐबक को भारत में तुर्की साम्राज्य के विस्तार का शायद ही समय मिला, क्योंकि 1210 में चोगान (मध्यकालीन पोलो) खेलते समय

घोड़े से गिरने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

- लेकिन उसके संक्षिप्त शासन काल को महत्त्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह भारत के पहले स्वतंत्र तुर्की शासक के उदय को चिह्नित करता है।
- वह दयालु था और माना जाता है कि लाखों रुपए लोगों को सार्वजनिक दान में दिया करता था। इसीलिये उसे 'लाखबख्श' भी कहा जाता था, साथ ही वह युद्ध में बहुत बेरहम था और लाखों दुश्मनों को क्रूरता से मौत के घाट उतार दिया करता था। उदारता, न्याय पर ज़ोर और युद्ध में क्रूरता का यह संयोजन भारत के शुरुआती कई तुर्की शासकों में देखा गया था।

74. अकबर के मंत्रालयों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. 'दीवान' शाही प्रतिष्ठानों के विभाग की देखभाल करता था।
2. 'मीर-बख्शी' सैन्य विभाग का अध्यक्ष होता था।
3. 'सद्र' न्यायिक और राजस्व मुक्त (इनाम) अनुदान के लिये ज़िम्मेदार था।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

अकबर के मंत्रालय

- अकबर ने मंत्रालयों के संगठन की समस्या का समाधान करने के लिये उनका विभागीय विभाजन किया था। ये चार विभाग थे-
    - मंत्रियों में सबसे अधिक शक्तिशाली वकील या वज़ीर होता था, जो राजस्व विभाग का प्रमुख होता था।
    - सैन्य विभाग की अध्यक्षता मीर बख्शी के द्वारा की जाती थी, शाही प्रतिष्ठान (कारखाने) और शाही घरेलू रखरखाव मीर समन के अधीन रखे गए।
    - न्यायिक और राजस्व मुक्त अनुदान (इनाम) विभाग 'सद्र' के अधीन रखे गए थे। **अत: कथन 1 सही नहीं है, जबकि 2 और 3 सही हैं।**
- हालाँकि ये चार विभाग इब्न-खल्दून द्वारा सुझाई गई पारंपरिक संख्या पर आधारित थे, लेकिन सभी विभाग शक्ति या महत्त्व में एक समान नहीं थे। समय के साथ वज़ीर का पद मीर बख्शी के पद के समान ही सर्वाधिक शक्तिशाली और प्रभावशाली बन गया। अबुल फज़ल के अनुसार, आय और व्यय विभाग के अध्यक्ष को 'वज़ीर' कहा जाता था और उसे ही 'दीवान' भी कहते थे।

75. दिल्ली सल्तनत की प्रशासनिक संरचना के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

1.	दीवान-ए अर्ज	सैन्य विभाग
2.	दीवान-ए-कोही	कृषि विभाग
3.	दीवान-ए-इन्शा	धार्मिक मामलों का विभाग
4.	दीवान-ए-रिसालत	वित्त विभाग
5.	दीवान-ए-विज़ारत	पत्राचार विभाग

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1, 2, 3 और 4
c. केवल 1, 2, 4 और 5
d. 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- दिल्ली सल्तनत के अंतर्गत सुल्तान को कई विभागों और प्रशासन में अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होता था। 'नायब' का पद सबसे अधिक शक्तिशाली होता था। नायब के पास सुल्तान के सभी अधिकार होते थे और सभी विभागों पर उसका सामान्य नियंत्रण रहता था। उसके बाद **सबसे बड़ा पद 'वज़ीर' का था। वह दीवान-ए-विजारत कहे जाने वाले वित्त विभाग का अध्यक्ष होता था।**
- **दीवान-ए-अर्ज़ कहे जाने वाले सैन्य विभाग का नेतृत्व अर्ज़-ए-मुमलिक द्वारा**

किया जाता था। सैनिकों की भर्ती और सैन्य विभाग का प्रशासन चलाना उसकी ज़िम्मेदारी थी। वह सेना का प्रमुख सेनापति नहीं होता था। सेना का प्रमुख सेनापति स्वयं सुल्तान होता था।

- **दीवान-ए-**रिसालत **धार्मिक मामलों का विभाग था। इसका अध्यक्ष 'सद्र' होता था।** मस्ज़िद, कब्र और मदरसों के निर्माण और रख-रखाव के लिये इस विभाग द्वारा अनुदान दिये जाते थे।
- न्यायिक विभाग का प्रमुख काज़ी था। मुस्लिम निजी कानून 'शरीयत' का प्रयोग नागरिक मामलों में किया जाता था, जबकि आपराधिक कानून सुल्तानों द्वारा बनाए गए नियमों और विनियमों पर आधारित थे।
- **पत्राचार विभाग को दीवान-ए-इंशा कहा जाता था।** शासक और अधिकारियों के बीच सभी पत्राचार इस विभाग द्वारा किये जाते थे।
- कृषि के विकास को प्रोत्साहित करने के लिये **मुहम्मद-बिन-तुगलक ने दीवान-ए-कोही नामक एक अलग कृषि विभाग बनाया। अत: विकल्प (a) सही है।**

76. प्राचीन भारत के 'सांख्य' दर्शन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. इसके अनुसार, सृष्टि की रचना और विकास हेतु ईश्वर से अधिक प्रकृति महत्त्वपूर्ण है।
2. इसने इस सिद्धांत का प्रतिपादन किया कि सभी भौतिक वस्तुओं का निर्माण परमाणुओं से हुआ है।
3. यह आध्यात्मिक अस्तित्व में विश्वास नहीं करता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

सांख्य

- सांख्य दर्शन के प्रणेता 'कपिल' थे। इस दर्शन के अनुसार मनुष्य का जीवन किसी दिव्य शक्ति के द्वारा निर्धारित न होकर प्रकृति द्वारा निर्धारित होता है। सृष्टि की रचना और विकास में ईश्वर की अपेक्षा प्रकृति का महत्त्व और योगदान अधिक है। यह एक तर्कसंगत और वैज्ञानिक दृष्टिकोण था। **अत: कथन 1 सही है।**
- लगभग चौथी शताब्दी के सांख्य दर्शन में प्रकृति, पुरुष या आत्मा को एक तत्त्व के रूप में प्रस्तुत किया गया और सृष्टि की उत्पत्ति में दोनों को कारक माना गया। नए मत के अनुसार, प्रकृति और आध्यात्मिक तत्त्व, दोनों ने मिलकर सृष्टि का निर्माण किया है। इस प्रकार शुरुआत में सांख्य दर्शन भौतिकवादी था, लेकिन बाद में यह आध्यात्मिकता की ओर मुड़ने लगा। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

वैशेषिक

- वैशेषिक संप्रदाय भौतिक तत्त्वों या द्रव्य पर चिंतन को महत्त्व देता है। वैशेषिक संप्रदाय ने परमाणु सिद्धांत का प्रतिपादन किया, जिसका यह मत था कि सभी जीवों की उत्पत्ति परमाणुओं से हुई है। इस प्रकार वैशेषिक से भारत में भौतिकी की शुरुआत हुई, लेकिन ईश्वर और आध्यात्मिकता के कारण वैज्ञानिक दृष्टिकोण कुछ कमज़ोर हुआ और इस धारणा ने स्वर्ग और मोक्ष दोनों में अपना विश्वास व्यक्त किया। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- सांख्य और वैशेषिक विचारधाराओं ने भौतिकवादी दृष्टिकोण को समृद्ध किया।

77. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	पुस्तक	लेखक
1.	तारीख-ए-फिरोज़ शाही	मिन्हाज-उस-सिराज
2.	तबकात-ए-नासिरी	जियाउद्दीन बरनी
3.	खजाइन-उल-फुतूह	अमीर खुसरो
4.	किताब-उल-हिंद	अलबरूनी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

a. केवल 1 और 4
b. केवल 2 और 4
c. केवल 3 और 4

d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- दिल्ली सल्तनत के शासकों ने शिक्षा और साहित्य को भरपूर संरक्षण प्रदान किया। सल्तनत के सुल्तानों को अरबी और फारसी साहित्य के प्रति विशेष लगाव था। हसन निजामी, मिन्हाज-उस-सिराज़, जियाउद्दीन बरनी और शम्स-ए-सिराज़ अफीफ जैसे कई इतिहासकार सुल्तान के दरबारों में रहे थे।
- **जियाउद्दीन बरनी की 'तारीख-ए-फिरोज़शाही'** में तुगलक राजवंश का इतिहास है, जबकि **मिन्हाज-उस-सिराज़ की 'तबकात-ए-नासिरी'** 1260 ईस्वी तक के मुस्लिम राजवंशों के सामान्य इतिहास का वर्णन करती है। **अत: युग्म 1 और 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- **अमीर खुसरो की 'खज़ाइन-उल-फुतुह' अलाउद्दीन की विजयगाथा है** और उनकी 'तुगलक नामा' गयासुद्दीन तुगलक के उदय का वर्णन करती है। **अरबी भाषा की 'किताब-उल-हिंद' अलबरुनी द्वारा लिखी गई है। अत: युग्म 3 और 4 सही सुमेलित हैं।**

78. सूफीवाद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. इसने ध्यान, तीर्थ-यात्रा और उपवास पर ज़ोर दिया।
2. इसके अनुसार ईश्वर से प्रेम का मतलब मानवता से प्रेम था।
3. इसने आंतरिक शुद्धता के बजाय बाहरी आचरण पर ज़ोर दिया।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. केवल 1 और 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- सूफीवाद इस्लाम की उदार और सुधारवादी धारा का प्रतिनिधित्त्व करता है। इसकी उत्पत्ति फारस में हुई और ग्यारहवीं सदी में इसका भारत में प्रसार हुआ।
- भारत के सूफी संतों में से सर्वाधिक प्रसिद्ध ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती थे, जिनके शिष्यों को चिश्ती संप्रदाय के सूफी संत कहा जाता था।
- एक और प्रसिद्ध सूफी संत बहाउद्दीन जकारिया थे, जो एक अन्य प्रसिद्ध रहस्यवादी शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी के प्रभाव में आए थे।
- सूफी संतों की इस शाखा को शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी संप्रदाय का सूफी कहा जाता था।
- एक अन्य प्रसिद्ध सूफी संत निज़ामुद्दीन औलिया थे, जो चिश्ती संप्रदाय से संबंधित थे और एक प्रभावशाली आध्यात्मिक शक्ति माने जाते थे।
- सूफीवाद ने ईश्वर को समझने के लिये प्रभावी साधनों के रूप में प्रेम और भक्ति के तत्त्वों पर बल दिया। ईश्वर के प्रति प्रेम का अर्थ मानवता के प्रति प्रेम था और इसलिये सूफी मानते थे कि मानवता की सेवा ईश्वर की सेवा करने के समान है। **अत: कथन 2 सही है।**
- सूफीवाद में आत्म-अनुशासन को ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त करने के लिये एक आवश्यक शर्त माना जाता था।
- **रूढ़िवादी मुसलमानों ने बाहरी आचरण पर ज़ोर दिया, जबकि सूफियों ने आंतरिक शुद्धता पर ज़ोर दिया। अत: कथन 3 सही नहीं है।**
- सूफीवाद ने ध्यान, अच्छे कार्यों, पापों के पश्चात्ताप, प्रार्थना और तीर्थयात्राएँ, उपवास, दान एवं तप द्वारा इच्छाओं के दमन पर भी ज़ोर दिया। **अत: कथन 1 सही है।**

79. निम्नलिखित में से कौन-सी मध्यकालीन भारत के भक्ति आंदोलन की विशेषताएँ हैं?

1. महिलाओं के लिये समान महत्त्व
2. जाति व्यवस्था की निंदा
3. अनुष्ठानों पर ज़ोर

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3

c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- मध्ययुगीन भारत भक्ति आंदोलन का साक्षी रहा, जिसमें रामानुज, माधव, गुरु नानक आदि विभिन्न धर्मोपदेशकों ने क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी बातें कही और लिखी। इस प्रकार भक्ति आंदोलन ने हिंदी, मराठी, बंगाली, कन्नड़ आदि क्षेत्रीय भाषाओं के विकास को प्रोत्साहन दिया और इन भाषाओं के माध्यम से धर्मोपदेशकों ने जनता तक प्रत्यक्ष रूप से अपनी बात पहुँचाई।
- भक्तिकाल के संतों ने जाति व्यवस्था की निंदा की और निम्न वर्गों को अधिक महत्त्व देकर उनका उत्थान किया। **अत: कथन 2 सही है।**
- भक्ति आंदोलन ने महिलाओं को भी समान महत्त्व दिया और इससे समाज में महिलाओं का महत्त्व बढ़ा। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसके अलावा भक्ति आंदोलन ने लोगों को एक सरल व साधारण धर्म दिया, जो जटिल कर्मकांड और अनुष्ठानरहित था। उन्हें ईश्वर के प्रति सच्चा समर्पण व्यक्त करने की प्रेरणा दी। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

80. भुवन पंचायत 3.0 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह विकेंद्रीकृत योजना निर्माण हेतु उन्नत अंतरिक्ष-आधारित सूचना सहायता का एक भाग है।
2. सृष्टि-दृष्टि नामक भुवन पोर्टल छात्रों के लिये एक ई-लर्निंग पोर्टल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भुवन पंचायत 3.0 विकेंद्रीकृत योजना परियोजना हेतु उन्नत अंतरिक्ष-आधारित सूचना समर्थन का एक भाग है। इसे पंचायती राज मंत्रालय तथा इसरो के अंतरिक्ष विभाग द्वारा संयुक्त रूप से लागू किया गया है। **अतः कथन 1 सही है।**
- सृष्टि-दृष्टि भुवन पोर्टल पर एक एकीकृत जलग्रहण विकास कार्यक्रम है, जबकि स्कूल भुवन छात्रों के लिये एक ई-लर्निंग पोर्टल है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

81. गर्भधारण पूर्व और जन्म-पूर्व नैदानिक तकनीक (PCPNDT) अधिनियम, 1994 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अधिनियम प्रसव पूर्व निदान तकनीक के उपयोग को पूर्णत: प्रतिबंधित करता है।
2. अधिनियम केवल 20 सप्ताह तक की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

व्याख्या: (d)

व्याख्या:

- गर्भधारण पूर्व और जन्म-पूर्व नैदानिक तकनीक अधिनियम (Pre-Conception and Pre-Natal Diagnostic Techniques Act-PCPNDT),1994 भारतीय संसद का एक अधिनियम है, जिसे महिला भ्रूण हत्या को रोकने तथा भारत के घटते लिंगानुपात को सुधारने के लिये लागू किया गया था।
- इस अधिनियम को लागू करने का मुख्य उद्देश्य गर्भधारण के पश्चात् लिंग निर्धारण तकनीकों के उपयोग को प्रतिबंधित करना और लिंग निर्धारण के पश्चात् गर्भपात के लिये जन्म-पूर्व नैदानिक तकनीक के दुरुपयोग पर रोक लगाना है।
    - यह अधिनियम गर्भधारण से पूर्व या बाद में, लिंग चयन के लिये प्रसव पूर्व निदान तकनीक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है।
    - लेकिन अधिनियम में आनुवंशिक असामान्यताओं या चयापचय संबंधी

विकारों या गुणसूत्री असामान्यताओं या कुछ जन्मजात विकृतियों या लिंग से जुड़े विकारों का पता लगाने के लिये और कन्या भ्रूण हत्या के लिये लिंग निर्धारण के लिये उनके दुरुपयोग की रोकथाम के लिये जन्म पूर्व नैदानिक तकनीकों के विनियमन का प्रावधान किया गया है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- इस अधिनियम के अंतर्गत आने वाले अपराधिक कृत्यों में गैर-मान्यता प्राप्त इकाइयों में जन्म-पूर्व नैदानिक तकनीक का संचालन करना अथवा उसमें सहायता करना, पुरुष और महिला का लिंग निर्धारण करना, इस अधिनियम में वर्णित उद्देश्यों के अतिरिक्त किसी अन्य उद्देश्य के लिये **प्री-नेटल** परीक्षण करना, किसी भी अल्ट्रा साउंड मशीन अथवा भ्रूण का लिंग निर्धारण करने में सक्षम किसी उपकरण को बेचना, उनका वितरण करना, उन्हें उपलब्ध कराना एवं किराये पर देना शामिल है।
- **गर्भ का चिकित्सकीय समापन** अधिनियम, 1971 में केवल 20 सप्ताह तक की गर्भावस्था को समाप्त करने का प्रावधान है। यदि एक अवांछित गर्भावस्था 20 सप्ताह से आगे बढ़ गई है, तो महिलाओं को गर्भपात की अनुमति के लिये किसी मेडिकल बोर्ड और अदालतों से संपर्क करना होगा। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
    - गर्भपात की सीमा को वर्तमान के 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह करने हेतु 'गर्भ का चिकित्सकीय समापन संशोधन विधेयक 2020' प्रस्तुत किया गया है।

82. निम्नलिखित में से कौन-सी पनडुब्बी भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट-75 के तहत बनाई गई है?

1. INS कलवरी
2. INS शक्ति
3. INS करंज
4. INS वेला

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2 और 4
c. 1, 3 और 4
d. 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- प्रोजेक्ट-75 छह स्कॉर्पीन वर्ग की पनडुब्बियों के निर्माण हेतु भारतीय नौसेना का एक कार्यक्रम है।
- **इस परियोजना के तहत बनाई गई पनडुब्बियाँ INS कलवरी, INS खंडेरी, INS करंज और INS वेला हैं।**
- पाँचवी स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी INS वागीर और छठी स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी INS वाग्शीर विनिर्माण के उन्नत चरणों में हैं और जल्द ही इन्हें लॉन्च किया जाएगा।
- INS शक्ति एक टैंकर और आपूर्ति जहाज़ है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

83. कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित ट्राइमेरासुरस अरुणाचलेंसिस संबंधित है:

a. अरुणाचल प्रदेश की जनजातीय कला से
b. दुर्लभ पिट वाईपर की एक प्रजाति से
c. अरुणाचल प्रदेश के राज्य पक्षी से
d. पूर्वी हिमालय की आदिम जनजाति से

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सरीसृप विशेषज्ञों (Herpetologists) ने अरुणाचल प्रदेश के कामेंग ज़िले के जंगल से लाल-भूरे रंग के पिट वाइपर की एक अद्वितीय और नई प्रजाति की खोज की है जो गर्मी के प्रति संवेदनशील है।
- पिट वाइपर की यह नई प्रजाति, ट्राइमेरासुरस अरुणाचलेंसिस (Trimeresurus Arunachalensis) है। यह भारत के सभी ज्ञात पिट वाइपरों से भिन्न है। **अतः विकल्प (b) सही है।**
- यह पिट वाइपर की ऐसी पहली प्रजाति है जिसका नाम राज्य के नाम पर रखा गया है।
- यह दुनिया के सभी ज्ञात पिट वाइपरों में सबसे दुर्लभ है।
- भारत में अन्य ज्ञात पिट वाइपर इस प्रकार हैं-

- मालाबार पिट वाइपर (Trimeresurus malabaricus)
- हॉर्सशू पिट वाइपर (Trimeresurus strigatus Gray)
- हम्प-नोज्ड पिट वाइपर (Hypnale hypnale Merrem)
- हिमालयन पिट वाइपर (Protobothrops himalayanus)

84. कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित उरकुंड, संबंधित है:

a. साहित्यिक चोरी रोधी सॉफ्टवेयर
b. महिला सुरक्षा एप
c. रूस का मंगल मिशन
d. मानव रहित हवाई वाहन

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- उरकुंड स्वीडिश साहित्यिक चोरी रोधी अर्थात् एंटी-प्लाजिरिज़्म सॉफ्टवेयर है। **अतः विकल्प (a) सही है।**
- हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, भारत के सभी विश्वविद्यालयों को 1 सितंबर, 2019 से स्वीडिश साहित्यिक चोरी रोधी (Anti-Plagiarism) सॉफ्टवेयर 'उरकुंड' (Urkund) का सब्सक्रिप्शन मिलेगा।
- इस सॉफ्टवेयर का चुनाव वैश्विक टेंडर प्रक्रिया (Global Tender Process) के माध्यम से किया गया है।
- हालाँकि वैश्विक संस्थानों द्वारा 'टर्नटिन' (अमेरिकी साहित्यिक चोरी रोधी सॉफ़्टवेयर) का प्रयोग किया जाता है, परंतु इसे बिना किसी अतिरिक्त सुविधा के भी 10 गुना महँगा पाया गया।

85. भारत में 'कोशिकीय और आणविक जीव विज्ञान केंद्र' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (IISER) के तत्त्वावधान में कार्यरत है।
2. यह एक प्रमुख शोध संगठन है जो आधुनिक जीव विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी अनुसंधान और प्रशिक्षण का संचालन करता है।
3. इसे ग्लोबल मॉलिक्यूलर एंड सेल बायोलॉजी नेटवर्क, यूनेस्को द्वारा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में नामित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. केवल 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कोशिकीय और आणविक जीव विज्ञान केंद्र (Centre for Cellular & Molecular Biology-CCMB) हैदराबाद में स्थित है तथा यह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के तत्त्वावधान में संचालित है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- CCMB एक प्रमुख अनुसंधान संगठन है जो आधुनिक जीव विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी अनुसंधान और प्रशिक्षण का संचालन करता है और जीव विज्ञान के अंतर्विषयी क्षेत्रों में नई और आधुनिक तकनीकों के लिये केंद्रीकृत राष्ट्रीय सुविधाओं को बढ़ावा देता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- इसे ग्लोबल मॉलिक्यूलर एंड सेल बायोलॉजी नेटवर्क, यूनेस्को द्वारा उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में नामित किया गया है। **अतः कथन 3 सही है।**

86. 'ब्लू डॉट नेटवर्क' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका की बहु-हितधारक पहल है।
2. यह भारत-प्रशांत क्षेत्र पर ध्यान देने के साथ प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिये विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मूल्यांकन और प्रमाणन प्रणाली के रूप में कार्य करेगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाले **ब्लू डॉट नेटवर्क** (Blue Dot Network- BDN) में भारत के शामिल होने की संभावना है।

- BDN की औपचारिक घोषणा 4 नवंबर, 2019 को थाईलैंड के बैंकॉक में इंडो-पैसिफिक बिज़नेस फोरम (Indo-Pacific Business Forum) में की गई थी।
- इसका नेतृत्व जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका भी करेगा। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- यह वैश्विक अवसंरचना विकास हेतु उच्च-गुणवत्ता एवं विश्वसनीय मानकों को बढ़ावा देने के लिये सरकारों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक साथ लाने की एक बहु-हितधारक पहल है।
- यह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर ध्यान देने के साथ-साथ यह विश्व स्तर पर सड़क, बंदरगाह एवं पुलों के लिये मान्यता प्राप्त मूल्यांकन और प्रमाणन प्रणाली के रूप में काम करेगा। **अतः कथन 2 सही है।**
    - इसके तहत अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को ऋण, पर्यावरण मानकों, श्रम मानकों आदि के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा।
    - यह प्रणाली किसी भी लोकतांत्रिक देश की उन परियोजनाओं पर लागू होगी जहाँ नागरिक ऐसी परियोजनाओं का मूल्यांकन करना चाहते हैं।
- विश्व स्तर पर BDN प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिये मान्यता प्राप्त स्वीकृति के तौर पर काम करेगा जिसका उद्देश्य लोगों को यह बताना कि परियोजनाएँ टिकाऊ हैं न कि शोषणकारी।

87. विश्व आर्द्रभूमि दिवस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विश्व आर्द्रभूमि दिवस 'वेटलैंड्स इंटरनेशनल' की स्थापना की तिथि को प्रदर्शित करता है।
2. विश्व आर्द्रभूमि दिवस, 2020 की थीम 'आर्द्रभूमि और जलवायु परिवर्तन' थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- पूरे विश्व में 2 फरवरी को **विश्व आर्द्रभूमि दिवस** (World Wetland Day) मनाया जाता है। आर्द्रभूमि दिवस का आयोजन, आर्द्रभूमि की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिये किया जाता है।
- यह दिन **2 फरवरी 1971 को ईरान के रामसर शहर में वेटलैंड्स पर कन्वेंशन** को अपनाने की तिथि को चिह्नित करता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
    - 'वेटलैंड्स इंटरनेशनल' एकमात्र वैश्विक गैर-लाभकारी संगठन है जो आर्द्रभूमियों के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिये समर्पित है।
- **थीम:** इस वर्ष 2020 के लिये विश्व आर्द्रभूमि दिवस की थीम 'आर्द्रभूमि और जैव-विविधता' (Wetlands and Biodiversity) थी। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

आर्द्रभूमि

- यह जल एवं स्थल के मध्य का संक्रमण क्षेत्र होता है।
- आर्द्रभूमि जैव-विविधता की दृष्टि से एक समृद्ध क्षेत्र होता है।
- इन्हें मुख्य रूप से दो वर्गों में विभक्त किया जाता है-
    - सागर तटीय आर्द्रभूमि
    - अंत:स्थलीय आर्द्रभूमि
- आर्द्रभूमि जल को प्रदूषण से मुक्त बनाती है। आर्द्रभूमि क्षेत्र वर्षभर आंशिक रूप से या पूर्णतः जल से भरा रहता है।
- भारत में आर्द्रभूमि ठंडे और शुष्क इलाकों से लेकर मध्य भारत के कटिबंधीय मानसूनी

इलाकों एवं दक्षिण के नमी वाले इलाकों तक फैली हुई है।
- हालाँकि वे पृथ्वी की लगभग 6% भौगोलिक क्षेत्रफल में फैले हुए हैं, लेकिन सभी पौधों और जानवरों की 40% प्रजातियाँ आर्द्रभूमियों पर आधारित हैं।

88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. येलो रस्ट (पीला रतुआ) एक कवक रोग है जो गेहूँ की फसलों को प्रभावित करता है।
    2. पंजाब भारत का सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक राज्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- पीला रतुआ अथवा येलो रस्ट एक कवक रोग है जो पत्तियों को पीला कर देता है जिससे प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया बाधित होती है। **अतः कथन 1 सही है।**
    - यह रोग **माग्नापोर्थ ओर्यज़े कवक** (Magnaporthe Oryzae Fungus) के कारण होता है और इसे वर्ष 1985 में ब्राज़ील में खोजा गया था।
    - यह कवक गेहूँ की पत्तियों को प्रभावित करता है और इनके क्लोरोफिल को खाता है जिससे पौधे की वृद्धि प्रभावित होती है। माना जाता है कि इससे फसल उत्पादन में 20% तक गिरावट आती है।
    - यह उत्तरी पहाड़ियों और उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में ठंडे मौसम की एक बीमारी है।
    - इस क्षेत्र में वर्षा के साथ तापमान में मामूली वृद्धि और आर्द्र स्थितियाँ पीला रतुआ होने के लिये अनुकूल अवस्थाएँ है।
- उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक राज्य है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- शीर्ष गेहूँ उत्पादक राज्य: उत्तर प्रदेश>पंजाब>मध्य प्रदेश>हरियाणा>राजस्थान
- यह रबी (सर्दियों) की फसल है, जिसे अक्तूबर से दिसंबर के मध्य बोया जाता है जबकि फसल की कटाई अप्रैल के बाद से शुरू होती है।
- चीन के बाद भारत गेहूँ का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

89. प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2018 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. ये नियम ग्राम पंचायतों पर लागू नहीं होते हैं।
    2. इन नियमों ने बहुपरतीय प्लास्टिक (MLP) को चरणबद्धता रूप से कम करने पर विशेष ज़ोर दिया है।
    3. इनमे पहली बार विस्तारित निर्माता ज़िम्मेदारी (EPR) का विचार प्रस्तुत किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2018

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2018 अधिसूचित किये हैं। संशोधन नियमों में यह प्रावधान किया गया है कि बहुपरतीय प्लास्टिक (Multilayered Plastic-MLP) का प्रयोग चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाना चाहिये क्योंकि यह गैर-पुनर्चक्रणीय होता है और न ही इनसे ऊर्जा पुन:प्राप्त की जा सकती है तथा ये बिना किसी वैकल्पिक उपयोग वाला प्लास्टिक होता है। **अतः कथन 2 सही है।**

- इन नियमों को ग्राम पंचायतों तक भी विस्तारित किया गया है। पहले यह नगरपालिका ज़िलों तक ही सीमित थे। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- विस्तारित निर्माता ज़िम्मेदारी (EPR) का विचार प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 में पेश किया गया था। यह प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2018 का भी हिस्सा है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

90. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
1. खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 भारत में खनन क्षेत्र को नियंत्रित करता है।
2. राज्य सरकारों के पास सभी गौण खनिजों के अन्वेषण और निष्कर्षण को विनियमित करने की शक्ति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही *नहीं* है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 भारत में खनन क्षेत्र को नियंत्रित करता है और खनन कार्यों के लिये खनन पट्टा प्राप्त करने और जारी करने संबंधी नियमों का निर्धारण करता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- राज्य सरकारों को पत्थर, मृदा और रेत जैसे सभी गौण खनिजों (Minor Minerals) की खोज, निष्कर्षण और प्रसंस्करण हेतु नीति बनाने और विनियमित करने की शक्ति है। **अतः कथन 2 सही है।**
- **भारत में खनन क्षेत्र का संवैधानिक/कानूनी ढाँचा**
    - भारत के संविधान में सूची II (राज्य सूची) के अंतर्गत विषय संख्या 23, राज्य सरकार को उनकी सीमाओं के भीतर स्थित खनिजों के स्वामित्व का अधिदेश देती है।
    - सूची I (संघ सूची) की प्रविष्टि 54 के अनुसार, केंद्र सरकार को भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) के भीतर स्थित खनिजों के विनियमन और विकास का अधिदेश दिया गया है। इसी के अनुसरण में वर्ष 1957 में खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम बनाया गया।
    - इसके अलावा केंद्र सरकार समय-समय पर कुछ खनिजों को 'गौण' खनिजों के रूप में अधिसूचित करती है, जिसके लिये आवेदन प्राप्त करने और खनिज रियायतें देने, रॉयल्टी की दरों को निर्धारित करने, पट्टा विलेख लेने और आदेशों को संशोधित करने की सभी शक्तियाँ राज्य सरकारों के पास होती है।

91. निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं?
1. एशियाई हाथी प्राकृतिक रूप से बांग्लादेश में भी पाए जाते हैं।
2. ग्रेट इंडियन बस्टर्ड्स भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में सूचीबद्ध हैं।
3. भारत में बंगाल फ्लोरिकन की जनसंख्या केवल पश्चिम बंगाल राज्य तक सीमित है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- गुजरात के गांधीनगर में आयोजित 'प्रवासी प्रजातियों पर संयुक्त राष्ट्र के कॉप-13 सम्मेलन में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, एशियाई हाथी और बंगाल फ्लोरिकन को प्रवासी प्रजातियों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय के परिशिष्ट-I में शामिल करने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है।

- प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय (Convention on the Conservation of Migratory Species-CMS) संयुक्त राष्ट्र की एक पर्यावरणीय संधि है जो प्रवासी प्रजातियों को संरक्षण प्रदान करने वाली एकमात्र वैश्विक संधि है.
- इसमें दो परिशिष्ट (Appendices) शामिल हैं: एक संकटग्रस्त प्रवासी प्रजातियों पर केंद्रित है जबकि दूसरे में ऐसे वन्यजीवों को रखा जाता है जिनके लिये पर्याप्त सरंक्षण सुनिश्चित करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता है।

एशियाई हाथी:

- भारत एशियाई हाथियों की सबसे बड़ी आबादी का प्राकृतिक आवास है। यह नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और म्याँमार में भी पाया जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भारत सरकार ने भारतीय हाथी को राष्ट्रीय धरोहर पशु घोषित किया है। भारतीय हाथी को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में सूचीबद्ध करके कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है।
- CMS अभिसमय के परिशिष्ट I में भारतीय हाथी के शामिल होने से भारत की सीमाओं पर इसके प्राकृतिक प्रवास को सुरक्षित किया जा सकेगा।
- मुख्य भूमि से संबंधित एशियाई या भारतीय हाथी भोजन तथा आवास की खोज में एक राज्य से दूसरे राज्य तथा एक देश की सीमा से दूसरे देश की सीमा में विचरण करते हुए चले जाते हैं। अधिकांश एशियाई हाथी आवास स्थान की हानि एवं विखंडन, मानव-हाथी संघर्ष, अवैध शिकार तथा अवैध व्यापार जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड:

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (Great Indian Bustard) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 की अनुसूची-1, CITES के परिशिष्ट-I तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध है। **अतः कथन 2 सही है।**
- इसे CMS के परिशिष्ट I में शामिल करने का निर्णय अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण निकायों तथा मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और समझौते द्वारा सुव्यवस्थित संरक्षण प्रयासों में सहयोगी होगा।
- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति है। इसकी लगभग 100–150 की संख्या में एक छोटी आबादी है जो भारत में राजस्थान के थार रेगिस्तान तक सीमित है। इस प्रजाति की 50 वर्षों (छह पीढ़ियों) के भीतर 90% आबादी कम हो गई है और भविष्य में इस पर खतरे बढ़ने की आशंका है।

बंगाल फ्लोरिकन

- बंगाल फ्लोरिकन IUCN की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों में से एक है। पारगमन प्रवासन के कारण आवास क्षेत्र में बदलाव तथा प्रवास के दौरान भारत-नेपाल सीमा पर विद्युत तारों की चपेट में आने से इनकी संख्या में निरंतर कमी आ रही है।
- आवास कम होने और अत्यधिक शिकार के कारण इनकी आबादी कम हो रही है। यह प्रजाति असम के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर भारतीय उपमहाद्वीप में संरक्षित क्षेत्रों से बाहर प्रजनन नहीं करती हैं।
- इसे CMS के परिशिष्ट I में शामिल करना संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण प्रयास होगा।
- बंगाल फ्लोरिकन असम के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर भारतीय उपमहाद्वीप के संरक्षित क्षेत्रों से बाहर नहीं पाए जाते हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

92. 'जिव्हाला पहल' जो हाल ही में समाचारों में देखी गई थी, किससे संबंधित है?

a. बाल अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम से
b. प्रारंभिक बाढ़ चेतावनी प्रणाली से
c. कौशल विकास और उद्यमिता संवर्द्धन से
d. भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन से

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जिव्हाला पहल नागपुर (महाराष्ट्र) में शुरू की गई थी जिसका उद्देश्य जनजातीय आश्रम स्कूलों में बाल अधिकारों और यौन उत्पीड़न की रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करना है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

93. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. भारत ने जैविक हथियार सम्मेलन (BWC) पर हस्ताक्षर किये हैं परंतु इसकी पुष्टि नहीं की है।
    2. ऑस्ट्रेलिया समूह का उद्देश्य रासायनिक और जैविक हथियारों के प्रसार को रोकना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- जैविक हथियार के निर्माण और प्रयोग पर रोक लगाने के लिये वर्ष 1925 में जिनेवा प्रोटोकॉल के तहत कई देशों ने जैविक हथियारों के नियंत्रण के लिये वार्ता शुरू की।
- वर्ष 1972 में जैविक हथियार अभिसमय (Biological weapon Convention-BWC) की स्थापना हुई और 26 मार्च 1975 को 22 देशों ने इसमें हस्ताक्षर किये। भारत वर्ष 1973 में BWC का सदस्य बना और वर्ष 1974 में इसकी पुष्टि कर दी थी। वर्तमान में 183 देश इसके सदस्य हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- भारत में जैव आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के लिये गृह मंत्रालय एक नोडल एजेंसी है इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय, डीआरडीओ, पर्यावरण मंत्रालय इत्यादि भी सक्रिय रूप से जैव आतंकवाद के मुद्दे पर कार्य कर रहे हैं।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जैव आतंकवाद से निपटने हेतु दिशा-निर्देश तैयार किये है जिसमें सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ निजी एजेंसियों की सहभागिता पर भी बल दिया गया है।
- **रासायनिक और जैविक हथियारों के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से वर्ष 1985 में ऑस्ट्रेलिया समूह की स्थापना की गई थी।** भारत को ऑस्ट्रेलिया समूह के 43वें सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। **अतः कथन 2 सही है।**

94. 'मिशन पूर्वोदय' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसका उद्देश्य भारत को कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है।
    2. इसे वित्तीय वर्ष 2020 से पूरे भारत में लागू किया जा रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

मिशन पूर्वोदय-

- पूर्वी भारत में एक एकीकृत इस्पात केंद्र बनाने के लिये इस्पात मंत्रालय (Ministry of Steel) ने मिशन पूर्वोदय (Mission Purvodaya) की शुरुआत की। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- इसका उद्देश्य पूर्वी भारत में एकीकृत इस्पात केंद्र की स्थापना के माध्यम से विकास में तेज़ी लाना है। पूर्वोदय का उद्देश्य एकीकृत इस्पात हब की स्थापना के माध्यम से पूर्वी भारत के त्वरित विकास को गति देना है।
    - **ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और उत्तरी आंध्र प्रदेश** सन्निहित यह प्रस्तावित एकीकृत स्टील हब पूर्वी भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये उत्प्रेरक की तरह कार्य करेंगे। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
    - भारत के पूर्वी राज्यों (ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल)

और आंध्र प्रदेश के उत्तरी हिस्से में देश का 80% लौह अयस्क, 100% कोयला और क्रोमाइट, बॉक्साइट और डोलोमाइट के भंडार का महत्त्वपूर्ण हिस्सा स्थित है।
    - इस हब का उद्देश्य त्वरित क्षमता संवर्द्धन में सक्षम बनाना और लागत तथा गुणवत्ता दोनों मामले में स्टील उत्पादकों की समग्र प्रतिस्पर्द्धा में सुधार लाना है।
- एकीकृत स्टील हब 3 प्रमुख तत्त्वों पर केंद्रित होगा:
    - ग्रीनफील्ड स्टील प्लांटों की स्थापना को सुगम बनाने के माध्यम से क्षमता में वृद्धि।
    - एकीकृत इस्पात संयंत्रों एवं मांग केंद्रों के पास इस्पात समूहों का विकास।
    - संभार तंत्र एवं उपयोगिता बुनियादी ढाँचे में रूपान्तरण, जो पूर्वी क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने में सक्षम हो।

95. लैंगिक समानता सूचकांक (GPI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसे संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा जारी किया जाता है।
    2. भारत के GPI के अनुसार स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों पर लड़कियों की संख्या लड़कों से अधिक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- GPI को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) ने अपनी वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट के एक भाग के रूप में जारी किया जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- **लैंगिक समानता सूचकांक (Gender Parity Index-GPI):** GPI स्कूल प्रणाली में विभिन्न स्तरों पर लड़कों और लड़कियों की शिक्षा तक पहुँच के सापेक्षिक मापन को दर्शाता है।
- समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha) अभियान जो कि स्कूली शिक्षा के लिये एक समेकित योजना है, (Integrated Scheme for School Education-ISSE) के तहत स्कूली शिक्षा में लैंगिक अंतर को समाप्त करने का प्रयास किया जाता है।
- वर्ष 2018-19 में स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर GPI की स्थिति निम्नानुसार है:

श्रेणी	प्राथमिक	उच्च प्राथमिक	माध्यमिक	उच्च माध्यमिक
GPI	1.03	1.12	1.04	1.04

यदि GPI का संख्यात्मक मान 1 है तो यह लैंगिक समानता को इंगित करता है। यदि GPI 0 से 1 के बीच परिवर्तित होता है तो यह महिलाओं की शिक्षा तक पहुँच में असमानता अर्थात् पुरुषों के पक्ष में असमानता को दर्शाता है, जबकि 1 से अधिक GPI महिलाओं के पक्ष में असमानता को दर्शाता है।
    - GPI इंगित करता है कि स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर लड़कियों की संख्या लड़कों से अधिक है।

अतः कथन 2 सही है।

स्कूली शिक्षा में लैंगिक समानता लाने हेतु समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha) अभियान के प्रावधान:

- बालिकाओं की सुविधा के लिये उनके निकट क्षेत्र में स्कूल खोलना।
- आठवीं कक्षा तक की लड़कियों को मुफ्त में पाठ्य-पुस्तकें वितरित करने का प्रावधान।
- सभी लड़कियों को यूनिफार्म प्रदान करना।
- सभी स्कूलों में अलग-अलग शौचालयों का निर्माण।
- लड़कियों की भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु शिक्षक जागरूकता कार्यक्रम।
- छठी से बारहवीं कक्षा तक की लड़कियों के लिये आत्मरक्षा प्रशिक्षण का प्रावधान।

- विशेष आवश्यकता वाली कक्षा 1 से 12वीं तक की लड़कियों को छात्रवृति देना।
- दूरस्थ/पहाड़ी क्षेत्रों में शिक्षकों के लिये आवासीय भवनों का निर्माण करना।
- स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर लैंगिक अंतर को कम करने और शिक्षा से वंचित समूहों की लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) खोले गए हैं।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी, अल्पसंख्यक और गरीबी रेखा से नीचे (BPL) जीवन-यापन करने वाले वंचित समूहों की लड़कियों को छठी से बारहवीं कक्षा तक की शिक्षा प्रदान करने के लिये खोले गए KGBV आवासीय सुविधाओं से युक्त हैं।

96. हाल ही में समाचारों में देखा गया नियॉन (NEON) पद किसे सदर्भित करता है?

a. नासा द्वारा खोजी गई तारों की एक नई श्रेणी से
b. कंप्यूटरीकृत कृत्रिम मानव से
c. स्वयं को नष्ट करने वाले उपग्रहों की श्रेणी से
d. ऊर्जा कुशल बल्ब, जो हाइड्रोफ्लोरो कार्बन का उपयोग करते हैं, से

उत्तर: (b)

व्याख्या:

संयुक्त राज्य अमेरिका के लास वेगास में आयोजित वार्षिक उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स शो 2020 (Consumer Electronics Show- CES 2020) में नियॉन (NEON) नामक विश्व का पहला कंप्यूटरीकृत कृत्रिम मानव (Artificial Human) पेश किया गया।

अतः विकल्प (b) सही है।

- नियॉन को सैमसंग कंपनी की स्टार लैब के सीईओ प्रणव मिस्त्री (भारतीय वैज्ञानिक) के नेतृत्त्व में बनाया गया है।
- नियॉन (NEON) शब्द NEO (नया) + humaN (मानव) से मिलकर बना है।
- अभी उपयोगकर्त्ता द्वारा नियंत्रित करने पर यह आभासी मानवीय भावनाओं को प्रदर्शित करता है किंतु आगे NEON को पूरी तरह से स्वायत्त रूप से संचालित किया जाएगा जिससे यह भावनाओं को प्रदर्शित करने, कौशल सीखने, स्मृति का निर्माण करने और स्वतः निर्णय लेने के लिये प्रतिबद्ध होगा।
- एक आभासी मानव (Virtual Human) कृत्रिम बुद्धि के साथ कंप्यूटर जनित मानव प्रतिरूप तंत्र है। एक आभासी मानव में एक कंप्यूटर जनित मानव जैसी शारीरिक प्रणाली और कंप्यूटर जनित आवाज़ एवं सशक्त इंद्रियाँ होती हैं।
    - आभासी मानव का उपयोग शिक्षा, विपणन, ब्रांडिंग, प्रशिक्षण और बिक्री जैसे विभिन्न क्षेत्रों किया जा सकता है।
- नियॉन, कोरR3 (CoreR3) तकनीक पर आधारित है। इसका तात्पर्य विश्वसनीयता (Reliability), रियल टाइम (Real Time) और प्रतिक्रिया (Response) है।

97. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	उत्पाद	राज्य
1.	चाक हाओ	मेघालय
2.	केसर	हिमाचल प्रदेश
3.	तिरुर	वेत्तियल केरल

उपर्युक्त युग्मों में कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या

चाक हाओ:

- हाल ही में मणिपुर के चाक-हाओ (Chak-Hao) अर्थात् काले चावल तथा गोरखपुर टेराकोटा को 'भौगोलिक संकेतक' (Geogrphical Indication- GI) का टैग दिया गया।
    - चाक-हाओ एक सुगंधित चिपचिपा चावल है जिसकी मणिपुर में सदियों से खेती की जा रही है। चावल की इस किस्म में विशेष प्रकार की सुगंध होती है और यह पोषक तत्त्वों से भरपूर होता है। इसमें एन्थोसायनिन नामक एंटीऑक्सिडेंट भी समृद्ध मात्रा में पाया जाता है।

- चाक-हाओ का पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में भी उपयोग किया जाता है।
- चावल की इस किस्म में रेशेदार फाइबर की अधिकता होने के कारण इसे पकाने में चावल की सभी किस्मों से अधिक, लगभग 40-45 मिनट का समय लगता है।

अतः युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।

कश्मीरी केसर:

- हाल ही में कश्मीरी केसर को 'भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री' (Geographical Indications Registry) द्वारा 'भौगोलिक संकेतक' (Geographical Indication-GI) का टैग प्रदान किया गया।
- विश्व स्तर पर कश्मीर केसर को मसाले के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त है। केसर का पारंपरिक कश्मीरी व्यंजनों में प्रयोग किया जाता रहा है तथा यह क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है।
- सौंदर्य प्रसाधन और औषधीय प्रयोजन में भी इसे काम में लिया जाता है।
- कश्मीरी केसर गहरा लाल रंग का, उच्च सुगंध युक्त, कड़वा स्वाद वाला होता है।
  - कश्मीरी केसर की खेती कश्मीर के कुछ क्षेत्रों; जिनमें पुलवामा, बडगाम, किश्तवाड़ और श्रीनगर शामिल हैं, में की जाती है।
  - यह दुनिया का एकमात्र ऐसा केसर है जिसकी खेती समुद्र तल से 1,600 से 1,800 मीटर की ऊँचाई पर खेती की जाती है। विश्व में कश्मीरी केसर ही एक मात्र ऐसा केसर है जिसे इतनी ऊँचाई पर उगाया जाता है।
  - केसर की खेती विशेष प्रकार की 'करेवा' (Karewa) मिट्टी में की जाती है।
  - कश्मीरी केसर तीन प्रकार का होता है; लच्छा केसर (Lachha Saffron), मोंगरा केसर (Mongra Saffron) तथा गुच्छी केसर (Guchhi Saffron)। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**

तिरूर सुपारी

- हाल ही में तिरूर वटीला को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किया गया है। तिरूर वटीला एक प्रकार की सुपारी है जो केरल के मलप्पुरम ज़िले के तिरूर और आस-पास के इलाकों में उगाई जाती है। ताज़ा पत्तियों में कुल क्लोरोफिल और प्रोटीन की इसकी उच्च उच्च सामग्री के कारण यह अद्वितीय है। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित है।**

98. वित्त विधेयकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान के अनुच्छेद 117 (1) के तहत विधेयकों को केवल राष्ट्रपति की सिफारिश पर प्रस्तुत किया जा सकता है।
2. संविधान के अनुच्छेद 117 (3) के तहत विधेयकों को उसी विधायी प्रक्रिया द्वारा शासित किया जाता है जो एक साधारण विधेयक पर लागू होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

हाल ही में कोरोनोवायरस महामारी से उत्पन्न स्थिति के कारण लोकसभा ने वित्त विधेयक, 2020 को बिना किसी बहस के पारित कर दिया।

वित्त विधेयक:

वित्त विधेयक उस विधेयक को कहते हैं, जो वित्तीय मामलों जैसे राजस्व या व्यय से संबंधित होता है। इसमें आगामी वित्तीय वर्ष में किसी नए प्रकार के कर लगाने या कर में संशोधन आदि से संबंधित विषय शामिल होते हैं।

- किसी भी कर को प्रत्यारोपित करने अथवा उसमें परिवर्तन करने जैसे विषय वित्त विधेयक के सामान्य विषय हैं। वित्त विधेयक मुख्यतः 3 प्रकार होते हैं:

- धन विधेयक - अनुच्छेद 110
- वित्त विधेयक (I) - अनुच्छेद 117 (1)
- वित्त विधेयक (II) - अनुच्छेद 117 (3)

- सामान्यतः यह कहा जाता है कि प्रत्येक धन विधेयक वित्त विधेयक होता है, किंतु प्रत्येक वित्त विधेयक धन विधेयक नहीं होता।

वित्त विधेयक (I):

- यह वह विधेयक होता है जिसमें अनुच्छेद 110 में उल्लिखित सभी मामले होते हैं। इसके अलावा अन्य मामले भी शामिल होते है।
- यह विधेयक दो रूपों में धन विधेयक के समान है-
  - दोनों लोक सभा में पेश किये जाते हैं।
  - दोनों राष्ट्रपति की पूर्वानुमति से प्रस्तुत किये जाते हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- अन्य सभी मामलों में, एक वित्त विधेयक (I) को एक साधारण बिल के रूप में माना जाता है। अर्थात्-
  - इसे राज्यसभा द्वारा स्वीकार या स्वीकार किया जा सकता है।
  - यदि विधेयक के संबंध में दोनों सदनों में गतिरोध उत्पन्न होता है तो राष्ट्रपति इस गतिरोध को समाप्त करने के लिये दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुला सकता है।
  - जब विधेयक राष्ट्रपति के सामने प्रस्तुत किया जाता है तो वह विधेयक को अपनी स्वीकृति दे सकता है या उसे रोक सकता है या फिर पुनर्विचार के लिये सदन को वापस कर सकता है।

वित्त विधेयक (II):

- वित्त विधेयक (II) में भारत की संचित निधि पर भारित व्यय संबंधी उपबंध होते हैं लेकिन इसमें अनुच्छेद 110 से संबंधित कोई मामला नहीं होता। इसे संविधान के अनुच्छेद 117 (3) के तहत निपटाया जाता है।
- इसके लिये भी वही प्रक्रिया अपनाई जाती है जो साधारण विधेयक के लिये अपनाई जाती है। **अतः कथन 2 सही है।**
- इन्हें संसद के किसी भी सदन में पुनःस्थापित किया जा सकता है तथा इन्हें प्रस्तुत करने के लिये राष्ट्रपति की सहमति की आवश्यकता नहीं होती। दोनों ही सदन इसे स्वीकार या स्वीकार कर सकते हैं।

99. हंटिंगटन रोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक आनुवंशिक रोग है जो मस्तिष्क को प्रभावित करता है।
2. इसका उपचार टीकाकरण के माध्यम से किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र (National Centre for Cell Science- NCCS) पुणे के वैज्ञानिकों की एक टीम ने फ्रूट फ्लाई (Fruit Flies) पर किये अध्ययन में पाया कि हंटिंगटन (Huntingtin- HTT) नामक जीन में उत्परिवर्तन के कारण न केवल हंटिंगटन प्रोटीन मे कमी होती है अपितु यह उत्परिवर्तन समग्र प्रोटीन उत्पादन में कमी का कारण बनता है।
  - हंटिंगटन मस्तिष्क को प्रभावित करने वाला आनुवंशिक विकार है। **अतः कथन 1 सही है।**

रोग का कारण:

- यह रोग HTT नामक जीन में उत्परिवर्तन के कारण होता है। HTT जीन हंटिंगटन नामक प्रोटीन के निर्माण में भाग लेते हैं। HTT जीनों का कार्य प्रोटीन निर्माण के लिये निर्देश देना हैं।
  - HTT जीन में उत्परिवर्तित होने के कारण इन जीनों की निर्देश देने की क्षमता मे बाधा उत्पन्न होती है तथा

इससे त्रुटिपूर्ण प्रोटीन का निर्माण होता है।
    - त्रुटिपूर्ण प्रोटीन जिन्हे क्लंपस (Clumps) भी कहा जाता है, मस्तिष्क की कोशिकाओं के सामान्य कामकाज को बाधित करते हैं।
    - अंततः मस्तिष्क के न्यूरॉन्स मृत हो जाते है तथा ये त्रुटिपूर्ण प्रोटीन हंटिंगटन रोग का कारण बनते हैं।

रोग का प्रभाव:

- इस रोग के कारण शरीर पर नियंत्रण नहीं रहता है तथा संज्ञानात्मक क्षमता में गिरावट आती है।
- इससे अलावा ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, स्मृति विलोप, मूड स्विंग, व्यक्तित्व में बदलाव आदि के लक्षण देखे जाते हैं।
- **इस रोग का कोई इलाज मौजूद नहीं है, लेकिन ड्रग्स, फिजियोथेरेपी और टॉक थेरेपी कुछ लक्षणों को प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं। अतः कथन 2 सही नहीं है।**

शोध का महत्त्व:

- अब तक वैज्ञानिक समुदाय यह नहीं जान पाए थे कि त्रुटिपूर्ण क्लंपस हंटिंगटन प्रोटीन निर्माण के अलावा अन्य प्रोटीन के निर्माण को भी प्रभावित करते हैं या नहीं।
- इस शोध में वैज्ञानिकों ने HTT जीन के अध्ययन में पाया कि रोगजनक हंटिंगटन प्रोटीन कोशिकाओं के 'समग्र प्रोटीन उत्पादन' में कमी का कारण बनता है।
- अध्ययन के माध्यम से प्राप्त अंतर्दृष्टि मानव में हंटिंगटन रोग को समझने में मदद करेगा।

100. निम्नलिखित पत्रिकाओं में से कौन-सी बी.आर. अंबेडकर से संबंधित थीं?

1. मूकनायक
2. बहिष्कृत भारत
3. समता
4. जनता

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 4
b. केवल 1, 2 और 3
c. केवल 2, 3 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

डॉ.अंबेडकर से संबंधित संगठन एवं पुस्तकें

पत्रिकाएँ:

- मूकनायक (1920)
- बहिष्कृत भारत (1927)
- समता (1929)
- जनता (1930)

पुस्तकें:

- एनिहिलेशन ऑफ़ कास्ट (जाति का विनाश)
- बुद्ध या कार्ल मार्क्स
- अछूत: वे कौन हैं और वे अछूत क्यों बन गए हैं
- बुद्ध और उनके धम्म
- हिंदू महिलाओं का उदय और पतन

संगठन:

- बहिष्कृत हितकारिणी सभा (1923)
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (1936)
- अनुसूचित जाति फेडरेशन (1942) **अतः विकल्प (d) सही है।**

बी.आर. अंबेडकर : संक्षिप्त परिचय

- डॉ. बी. आर. अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को ब्रिटिश कालीन मध्य प्रांत (वर्तमान मध्य प्रदेश में) के महू में हुआ था। इसलिये प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को डॉ. बी. आर. अंबेडकर जयंती मनाई जाती है।
- उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय (Columbia University) और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स दोनों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और कानून, अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान में अपने शोध के लिये ख्याति प्राप्त की।
- वह स्वतंत्र भारत के पहले कानून एवं न्याय मंत्री तथा भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार थे।
- भारत सरकार अधिनियम, 1919 का प्रस्ताव तैयार कर रही साउथबोरो समिति (Southborough Committee) के समक्ष

अंबेडकर ने अछूतों एवं अन्य धार्मिक समुदायों के लिये अलग निर्वाचक मंडल एवं उनको आरक्षण देने का तर्क दिया था।

- वर्ष 1921 तक जब तक वह एक राजनेता नहीं बने थे, तब तक अंबेडकर ने एक अर्थशास्त्री के रूप में काम किया।
    - **अंबेडकर द्वारा हिल्टन यंग कमीशन को प्रस्तुत किये गए विचारों पर ही भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) का गठन किया गया।**
- वर्ष 1924 में **डॉ.अंबेडकर ने** एक केंद्रीय संस्था बहिष्कृत हितकारिणी सभा (Bahishkrit Hitakarini Sabha) की स्थापना थी जिसका उद्देश्य शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक सुधार को बढ़ावा देना था।
- वर्ष 1925 में आल-यूरोपियन साइमन कमीशन के साथ काम करने के लिये उन्हें बॉम्बे प्रेसीडेंसी समिति में नियुक्त किया गया था।
- वर्ष 1927 में अंबेडकर ने अस्पृश्यता के खिलाफ सक्रिय आंदोलन शुरू किया। जिसमें उन्होंने दलितों के लिये सार्वजनिक पेयजल संसाधनों की उपलब्धता तथा हिंदू मंदिरों में प्रवेश के अधिकारों के लिये संघर्ष किया।
- वर्ष 1930 में अंबेडकर ने कालाराम मंदिर (Kalaram Temple) सत्याग्रह चलाया।
- वर्ष 1932 में ब्रिटिश सरकार ने सांप्रदायिक पंचाट (Communal Award) में 'शोषित वर्ग' के लिये एक अलग निर्वाचक मंडल के गठन की घोषणा की। जिसका महात्मा गांधी ने विरोध किया। परिणामस्वरूप 24 सितंबर 1932 को अंबेडकर (हिंदुओं में शोषित वर्गों की ओर से) और मदन मोहन मालवीय (शेष हिंदुओं की ओर से) के बीच **पूना पैक्ट** पर हस्ताक्षर किये गए।
- **वर्ष 1936 में अंबेडकर द्वारा इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी (ILP) की स्थापना की गई जिसने केंद्रीय विधान सभा के लिये वर्ष 1937 के बॉम्बे प्रांतीय चुनाव में हिस्सा लिया।**
- 29 अगस्त, 1947 को अंबेडकर को भारत के संविधान का गठन करने के लिये संविधान प्रारूप समिति (Constitution Drafting Committee) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
- वर्ष 1956 में उन्होंने दलितों के सामूहिक धर्मांतरण की शुरुआत करते हुए बौद्ध धर्म अपना लिया।
- वर्ष 1956 में अंबेडकर द्वारा लिखी गई आखिरी किताब बौद्ध धर्म से संबंधित थी इस किताब का नाम था **'द बुद्ध एंड हिज़ धम्म'** (The Buddha and His Dhamma)।
    - उल्लेखनीय है कि यह किताब उनकी मृत्यु के बाद वर्ष 1957 में प्रकाशित हुई थी। मुंबई के दादर में स्थित **चैत्य भूमि** बी.आर. अंबेडकर की समाधि स्थली है।
    - वर्ष 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।